वर्ष : 33 | अंक : 213 | पृष्ठ : 8 | मुंबई, शनिवार, 19 अक्टूबर 2024 | RNI: MAHHIN/49994/91 | मूल्य : 3 रुपए | epaper.dobajedopahar.com | संपादक : अरुण लाल

मुंबई, नवी मुंबई, ठाणे, पालघर, रायगढ़, नासिक, पुणे से एक साथ प्रकाशित

दो बजे दोपहर

पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

महाराष्ट्र की 'महाभारत' के लिए '27 'योद्धा' तैयार

अमित बृज | मुंबई

महाराष्ट्र की 288 विधानसभा सीटों के लिए एक ही फेज में 20 नवंबर को वोटिंग होनी है. चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद सभी राजनीतिक पार्टियां उम्मीदवार फाइनल करने में जुटी है. बुधवार को इस सिलसिले में BJP की केंद्रीय चुनाव समिति (CEC) की की बैठक हुई. इसमें उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की गई. रिपोर्ट के मुताबिक, BJP CEC ने 110 सीटों पर उम्मीदवारों के नामों पर चर्चा की है. इस बीच डीबीडी अपनी एक्सक्लूसिल रिपोर्ट में आपको ऐसे 27 नामों के बारे में बता रहा है, जिनका टिकट कंफर्म हो सकता है।

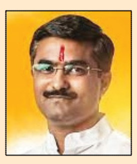

1. चिमूर सीट : यहां से कीर्ति कुमार भांगडिया को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। कीर्ति लगातार दूसरी बार विधायक हैं। उन्हें मौजूदा डिप्टी CM देवेंद्र फडणवीस का करीबी माना जाता है। वो इलाके में अपने विकास के कामों के लिए जाने जाते हैं।

2. हिंगनघाट सीट : इस सीट से BJP में समीर कुनावार का टिकट एकदम कंफर्म है। समीर भी लगातार दूसरी बार विधायक रहे हैं। वो केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी के काफी करीबी माने जाते हैं। कार्यकर्ताओं के बीच उनकी अच्छी पकड़ है।

3. वर्धा सीट : महाराष्ट्र के वर्धा सीट से BJP पंकज भोयर को तीसरी बार मौका दे सकती है। भोयर OBC समुदाय से आते हैं। BJP से पहले वो कांग्रेस में थे।

4. आर्वी सीट : आर्वी सीट पर BJP मौजूदा विधायक दादाराव केचे का टिकट काटकर सुमित वानखेड़े को मौका दे सकती है। वानखेड़े, देवेंद्र फडणवीस के OSD हैं।

5. कारंजा सीट : महाराष्ट्र की कारंजा सीच से सई ताई डहाके को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। सई ताई डहाके NCP के बड़े नेता दिलीप वलसे पाटिल की बहन हैं। यह उनका पहला चुनाव होगा।

6. वाशिम सीट : वाशिम सीट BJP की एक मजबूत सीट है। यहां से लखन मलिक उम्मीदवार बनाए जा सकते हैं। मलिक इस सीट से लगातार 3 बार से विधायक हैं। पिछले चुनाव में उन्हें VBA उम्मीदवार को हराया था।

7. अकोला ईस्ट सीट : इस सीट से रणधीर सावरकर को BJP का टिकट मिलना तय है। वह लगातार 3 बार से विधायक रहे हैं। संघ परिवार के करीबी भी हैं। रणधीर सावरकर के मामा संजय धोत्रे केंद्र में मंत्री भी थे।

8. अकोट सीट : इस सीट से प्रकाश भारसाखले को तीसरी बार मौका दिया जा रहा है। वह लगातार दो बार से विधायक हैं। भारसाखले पहले शिवसेना में थे। बाद में कांग्रेस में शामिल हुए। 2012 को उन्होंने BJP ज्वॉइन कर ली थी।

9. चिखली सीट : इस सीट से श्वेता महाले को रिपीट किया जा सकता है। 2019 में वह पहली बार विधायक बनीं। उन्होंने इस सीट से दिग्गज कांग्रेसी नेता राहुल बोंद्रे को हराया था। इस सीट पर इस बार भी कांग्रेस और BJP में सीधी टक्कर है।

10. जलगांव जामोद सीट :

BJP जलगांव जामोद सीट से देवेंद्र फडणवीस के करीबी संजय कुटे को टिकट दे सकती है। कुटे 3 बार से विधायक हैं और OBC का बड़ा चेहरा भी हैं।

11. खामगांव सीट : आकाश फुंडकर को इस सीट से तीसरी बार मौका दिया जाएगा। ये भी महाराष्ट्र में OBC का बड़ा चेहरा हैं। उनके पिता पांडुरंग फुंडकर मंत्री थे।

12. यवतमाल सीट : महाराष्ट्र की यवतमाल सीट से मदन येरावार को मौका मिल सकता है। ये भी 3 बार के विधायक रहे हैं। इन्हें नितिन गडकरी का करीबी माना जाता है। फडणवीस सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

13. रालेगांव सीट BJP इस सीट से अशोक उइके को टिकट देगी। उइके BJP का प्रमुख आदिवासी चेहरा हैं। इन्होंने 2014 में पहली बार विधायकी का चुनाव जीता था। महाराष्ट्र में मंत्री भी रह चुके हैं।

14. हिंगना सीट : BJP इस सीट से समीर मेघे को इसबार मौका देगी। समीर मेघे गडकरी और फडणवीस के करीबी माने जाते हैं। 2014 में वो कांग्रेस छोड़कर BJP में आए थे। उनके पिता दत्ता मेघे महाराष्ट्र के बड़े नेता रह चुके हैं।

15. दक्षिण नागपुर सीट : इस सीट से मोहन मते को BJP का टिकट मिलता कंफर्म है। ये 2 बार विधायक रह चुके हैं। मते ने 1999 और 2019 में चुनाव जीता था। पिछले चुनाव में इन्होंने कांग्रेस प्रत्याशी को मात दी थी।

16. जामनेर सीट : BJP जामनेर सीट से गिरीश महाजन को मौका देगी। ये महाराष्ट्र के ग्रामीण विकास मंत्री हैं। उनकी छवि BJP के संकटमोचक की है। इन्हें पंचायत लेवल पर राजनीति की शुरुआत की थी।

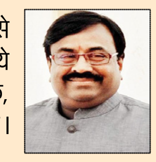

17. बल्लारपुर सीट : इस सीट से सुधीर मुनगंटीवार को टिकट मिलेगा। ये लगातार 5 बार से विधायक हैं। हालांकि, चंद्रपुर से लोकसभा का चुनाव हार गए थे। अभी महाराष्ट्र सरकार में वन मंत्री हैं।

18. कोथरूड सीट : इस सीट से चंद्रकांत पाटिल को टिकट मिलना तय है। ये महाराष्ट्र सरकार में मंत्री हैं। चंद्रकांत पाटिल को अमित शाह का करीबी माना जाता है। कार्यकर्ताओं के बीच ये काफी लोकप्रिय हैं।

19. शिंदखेड़ा सीट : इस सीट से जयकुमार रावल को टिकट मिलेगा। ये भी लगातार 3 बार से विधायक हैं। रावल देवेंद्र फडणवीस के करीबी माने जाते हैं और महाराष्ट्र में मंत्री भी रह चुके हैं।

20. कोलाबा सीट : इस सीट से राहुल नार्वेकर को उम्मीदवार बनाया जाना तय है। नार्वेकर महाराष्ट्र विधानसभा के अध्यक्ष हैं। ये 2019 में पहली बार विधायक बने थे। इन्होंने शिवसेना से राजनीतिक पारी की शुरुआत की थी।

21. चारकोप सीट : इस सीट से BJP अतुल भातखळकर को टिकट देगी। ये लगातार दूसरी बार विधायक बने हैं। भातकल्कर संघ के प्रचारक रह चुके हैं। इन्हें प्रमोद महाजन, गोपीनाथ मुंडे का करीबी माना जाता है।

22. मागाठाणे सीट : इस सीट से मनीषा चौधरी को प्रत्याशी बनाया जा सकता है। मनीषा 2014 से विधायक हैं। वो मुंबई में BJP का महिला चेहरा हैं और कार्यकर्ताओं के बीच लोकप्रिय भी हैं।

23. बोरीवली : महाराष्ट्र की बोरीवली सीट से सुनील राणे को मौका मिल सकता है। ये 2019 में पहली बार विधायक बने। बोरीवली सीट BJP के लिए सबसे सुरक्षित सीट है।

24. चारकोप सीट : इस सीट से योगेश सागर को कैंडिडेट बनाया जा सकता है। ये लगातार तीन बार से विधायक हैं। सागर मुंबई में BJP का बड़ा चेहरा हैं और फडणवीस सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

25. मालाबार हिल सीट : इस सीट से मंगलप्रताप लोढ़ा को मौका दिया जा सकता है। लोढ़ा लगातार 4 बार से विधायक हैं। BJP का बड़ा राजस्थानी चेहरा हैं। अभी महाराष्ट्र के स्किल डेवलपमेंट मंत्री हैं।

26. विले पार्ले : इस सीट से BJP पराग अलवणी को टिकट देगी। पराग लगातार 2 बार से विधायक हैं। इन्हें संघ परिवार का करीबी माना जाता है। कार्यकर्ताओं को बीच लोकप्रिय हैं।

27. उल्हासनगर : महाराष्ट्र की इस सीट से BJP कुमार आयलानी को चुनावी मैदान में उतार सकती है। इन्होंने 2009 और 2019 के चुनाव में जीत दर्ज की थी। 2014 का चुनाव हार गए थे। समाजसेवी के रूप में उनकी अच्छी पहचान है।

दायित्वनामा

बीजेपी आम जनता के हित का सोचती है : देवांग दवे

बीजेपी इलेक्शन कमेटी के सदस्य देवांग दवे के साथ डीबीडी के संपादक अरुण लाल।

महाराष्ट्र के 36 ज़िलों के जिलाधिकारी, एसपी सहित हर जिले के सभी आला अधिकारियों से मिलकर आपले सरकार पोर्टल पर आए आम लोगों की 4 लाख समस्याओं का निवारण कर मुंबई लौटे बीजेपी इलेक्शन कमेटी के सदस्य देवांग दवे DBD (दो बजे दोपहर) के ऑफिस में पधारे। उन्होंने संपादक अरुण लाल को बताया कि इस पोर्टल के माध्यम से आम लोगों की समस्याओं को 21 दिन में हल करना था। पर बहुत से कारणों से यह हो नहीं पा रहा था। हम मुख्य सचिव सुजाता सौनिक के निर्देश में हर जिले में गए और लोगों से, अधिकारियों से चर्चा कर लोगों की समस्या का निवारण किया।

क्या है यह योजना?

2014 में महाराष्ट्र के तत्कालीन मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने आम लोगों की समस्याओं से निजात दिलाने के लिए आपले सरकार नाम का पोर्टल शुरू किया। जिसके तहत लोग अपनी समस्या इस पोर्टल के माध्यम से जिला प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस पोर्टल के चलते लोगों को भारी राहत मिली। लोग घर बैठे अपनी समस्या को प्रशासन तक पहुंचा रहे थे, वहां 21 दिन में हल करने का आदेश दिया। यह पोर्टल महाराष्ट्र में बहुत लोकप्रिय हुआ। पर कुछ समय बाद सरकार बदली और दूसरी सरकार ने इसे ठंडे बस्ते में डाल दिया। इसके बाद जब यह सरकार बनी तो उप मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने इस पोर्टल को और प्रभावी बनाने की योजना बनाई।

आप इससे कैसे जुड़े

मैं 17 से पार्टी के लिए काम कर रहा हूं, उप मुख्यमंत्री जी ने मुझे बुलाकर कहा कि यह पोर्टल जनता के लिए बहुत उपयोगी है, इसे और बेहतर करना है। इसके लिए महाराष्ट्र की मुख्य सचिव सुजाता सौनिक ने जिलाधिकारियों की वीसी ली और पोर्टल पर आए 5 लाख शिकायतों का निवारण करने का आदेश दिया। isko aur acche se impliment karne ke liye सभी 36 जिलों में जाकर वरिष्ठ अधिकारियों की मीटिंग लेकर इन समस्याओं को हल करने का निर्देश दिया।

कैसा रहा यह प्रवास?

मैं और मेरे साथ पोर्टल के टेक्निकल टीम दो महीने पहले इस काम के लिए निकले। मैंने सभी 36 जिलों के हर जिले के डीएम, एसपी से लेकर तहसीलदार तक के सभी वरिष्ठ अधिकारियों से बात की। उनके साथ मिलकर उस जिले की पोर्टल पर आई समस्याओं का निपटारा भी किया। अधिकारियों ने इस काम में बहुत रुचि दिखाई और हमने 2 महीने में लगभग 4 लाख समस्याओं का निपटारा कर दिया।

कैसा रहा आपका प्रवास?

मैं अगस्त और सितंबर दो महीने महाराष्ट्र के सभी जिलों में घुमा। मैंने 2013, 2017, 2019 और 2024 में महाराष्ट्र का प्रवास किया। तब में और अब में जो अंतर मुझे नजर आया वह यह है कि अब जिलों को जोड़ने वाले रास्ते बहुत अच्छे बन गए हैं। पहले मराठवाड़ा में एक जिले से दूसरे जिले में पहुंचने में 3 घंटे लगते थे, अब एक घंटे समय लग रहा है। मैं समझता हूं सही मायने में महाराष्ट्र के गांवों का समुचित विकास हुआ है।

क्या होगा चुनाव में...!

देखिए जहां तक मैं समझता हूं, गांव के लोग लाडली बहन, किसानों को फ्री बिजली और दूसरी अच्छी योजनाओं को लेकर बहुत उत्साहित हैं। लोगों को अच्छी सड़कें और बेहतर प्रशासन से लाभ मिल है। और इस चुनाव में यह नजर भी आएगा।

शिंदे सेना की रैली में CM चेहरे के रूप में एकनाथ शिंदे का नाम

पार्टी ने कहा- सरकारी योजनाओं को जनता तक पहुंचाएं

धीरज सिंह | मुंबई

शिवसेना एकनाथ शिंदे खेमे ने दादर के शिवाजी मंदिर में मुंबई पदाधिकारियों की बैठक की। बैठक मुंबई में विधानसभा सीटों की रणनीति बनाने के लिए आयोजित की गई। शिवसेना का लक्ष्य महायुति गठबंधन में मुंबई में अधिक से अधिक सीटें हासिल करना है। शिवसेना सांसद श्रीकांत शिंदे ने बैठक को संबोधित किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि सीएम एकनाथ शिंदे पिछले दो सालों से लोगों के उत्थान के लिए एक भी दिन की छुट्टी लिए बिना चौबीसों घंटे काम कर रहे हैं। सीएम शिंदे शब्दों के पक्के हैं। यही कारण है कि विभाजन के बाद एक भी व्यक्ति ने पार्टी नहीं छोड़ी। बल्कि, हमें मजबूत करने के लिए और अधिक लोग और पार्टी कार्यकर्ता शामिल हुए हैं।

'अगले एक महीने तक दिन-रात काम करना चाहिए'

श्रीकांत शिंदे ने कार्यकर्ताओं से अपील की कि हम सभी को अगले एक महीने तक दिन-रात काम करना चाहिए और आगामी विधानसभा में यूबीटी सेना को उनकी असली जगह दिखानी चाहिए। उन्होंने आश्वासन दिया कि यदि पिछले दो वर्षों में सीएम शिंदे ने इतनी मेहनत की है, तो हम कल्पना कर सकते हैं कि अगले पांच वर्षों में वे हमारी मदद से कितना काम कर सकते हैं, उन्होंने महायुति गठबंधन के मुख्यमंत्री पद के उम्मीदवार के रूप में एकनाथ शिंदे की ओर इशारा किया। इस बीच, शिंदे सेना के विधायक दिलीप मामा लांडे और प्रकाश सुर्वे ने भी रैली के दौरान अपने भाषणों में एकनाथ शिंदे को अगले पांच साल के लिए राज्य में सीएम के चेहरे के रूप में पेश किया।

'अंतिम चरण में सीट बंटवारे पर बातचीत'

मुंबई। महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों का एलान हो चुका है और राज्य के दोनों बड़े गठबंधन अपनी सहयोगी पार्टियों के साथ सीट-बंटवारे को लेकर गहन चर्चा कर रहे हैं। इस कड़ी में शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे ने राज्य में महा विकास अघाड़ी गठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर बड़ा दावा किया है। उद्धव ठाकरे ने कहा कि एमवीए सहयोगियों के बीच सीट बंटवारे पर बातचीत अंतिम चरण में है, कल या अगले 2 से 3 दिनों में सीट बंटवारे की डील पक्की हो सकती है।

टूटने की स्थिति में नहीं पहुंचने देंगे डील : उद्धव

इधर महा विकास अघाड़ी (एमवीए) दलों के बीच सीट बंटवारे को लेकर गतिरोध के बीच शिवसेना (यूबीटी) के अध्यक्ष उद्धव ठाकरे ने शुक्रवार को आगाह किया कि सहयोगियों के बीच सौदेबाजी को टूटने की स्थिति तक नहीं पहुंचने दिया जाना चाहिए। एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उद्धव ठाकरे ने कहा कि महाराष्ट्र में राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है और लोगों ने विपक्षी एमवीए को सत्ता में लाने का फैसला किया है, जिसमें कांग्रेस, शिवसेना (यूबीटी) और एनसीपी (एसपी) शामिल हैं।

सीएम एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की हुई इमरजेंसी लैंडिंग

पुणे। महाराष्ट्र के सीएम एकनाथ शिंदे के हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग हुई है। हेलीकॉप्टर सीएम शिंदे के पैतृक निवास सतारा जिले के डेरे से पुणे के लिए उड़ा था। उसी दौरान भारी बारिश के कारण हेलीकॉप्टर की इमरजेंसी लैंडिंग करवाई गई है। बाद में सीएम शिंदे सड़क मार्ग से पुणे के लिए रवाना हो गए। वह पूरी तरह से सुरक्षित हैं।

सपा ने इन 4 सीटों पर उतारे उम्मीदवार

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए तारीख का ऐलान हो गया है। सभी पार्टियां सीट को लेकर गठबंधन के साथ तालमेल बैठाने में जुटी हैं। समाजवादी पार्टी के मुखिया और उत्तर प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव भी मिशन महाराष्ट्र में जुटे हैं। इस बीच, महा विकास अघाड़ी (MVA) से सीटों को लेकर बातचीत के बीच समाजवादी पार्टी ने 4 सीटों पर अपने प्रत्याशियों के नाम का ऐलान कर दिया है।

शिवाजी नगर- अबू आजामी
भिवंडी ईस्ट- रईस शेख
भिवंडी वेस्ट- रियाज आजमी
मालेगांव - सायने हिंद

बता दें कि महाराष्ट्र की 288 सीटों में से महा विकास आघाड़ी के बीच 258 सीटों पर सहमति बन गई है। सूत्रों के मुताबिक, अभी भी 30 के करीब ऐसी सीटें हैं, जिन पर तीनों पार्टियों के बीच में कोई सहमति नहीं बन पाई है। MVA में कांग्रेस, शरद पवार गुट की एनसीपी-एसपी और उद्धव गुट की शिवसेना-यूबीटी शामिल है। कांग्रेस के अध्यक्ष नाना पटोले ने कहा कि आगामी राज्य विधानसभा चुनाव के लिए विपक्षी महा विकास आघाड़ी के घटकों के बीच 25 से 30 सीट को लेकर गतिरोध है और पार्टी इकाई इस मुद्दे पर आलाकमान के किसी भी फैसले को स्वीकार करेगी।

चुनावी बिसात > महाराष्ट्र सरकार पर आचार संहिता उल्लंघन का आरोप, EC ने शुरू की जांच

चुनाव की घोषणा के दिन 359 जीआर

मुनीब चौरसिया | मुंबई

महाराष्ट्र में विधानसभा चुनाव का बिगुल बज चुका है। निर्वाचन आयोग ने 15 अक्टूबर को महाराष्ट्र विधानसभा की 288 सीटों के लिए चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की। इसके साथ ही राज्य में आदर्श आचार संहिता (एमसीसी) लागू हो गई है। लेकिन अब महाराष्ट्र सरकार पर आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने का आरोप लगा है। बाकायदा चुनाव आयोग इसकी जांच कर रहा है और दोषी पाए जाने पर कार्रवाई की बात कही है।

एक ही दिन में 359 जीआर जारी

महाराष्ट्र सरकार ने 15 अक्टूबर को कम से कम 359 जीआर जारी किए। जबकि उसी दिन दोपहर 3 l30 बजे विधानसभा चुनावों की घोषणा की गई। इसके अलावा, मॉडल कोड लागू होने के अगले दिन यानी 16 अक्टूबर को लगभग 23 जीआर जारी किए गए थे। लेकिन चुनाव आयोग के दखल के बाद बुधवार शाम तक राज्य सरकार की वेबसाइट पर 15 अक्टूबर के दिन केवल

क्या है मामला ?

मिली जानकारी के मुताबिक, चुनाव आयोग ने मंगलवार दोपहर में चुनावी कार्यक्रम की घोषणा की। आरोप है कि उसके बाद भी राज्य सरकार ने कई फैसले लिए और आचार संहिता लागू होने के बाद भी शासनादेश (जीआर) जारी किया। हालांकि मामला सामने आने पर राज्य सरकार ने आनन-फानन में कुछ जीआर वेबसाइट से हटा दिया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, राज्य सरकार ने मंगलवार को आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद जारी किए गए कम से कम 112 जीआर को वापस ले लिया है। वहीं, महाराष्ट्र पर्यटन विकास निगम के एक टेंडर को भी ड्राप करना पड़ा है। बुधवार शाम को महाराष्ट्र के मुख्य निर्वाचन कार्यालय द्वारा सवाल उठाए जाने के बाद शिंदे सरकार ने यह कदम उठाया है।

चुनाव आयोग ने क्या कहा?

दरअसल मीडिया ने मुख्य निर्वाचन कार्यालय से टेंडर और जीआर जारी करने के संबंध में संभावित नियमों के उल्लंघन के बारे में पूछा था। जिसके बाद अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन अधिकारी किरण कुलकर्णी (Kiran Kulkarni) ने कहा, "आचार संहिता लागू होने पर दोपहर 3 l30 बजे के बाद जारी किए गए टेंडर और जीआर के संबंध में हम सरकार से बात करेंगे।" इसके बाद ही राज्य सरकार ने कई जीआर वापस ले लिया। कुलकर्णी ने कहा कि सरकार को केवल उन जीआर को जारी करने की अनुमति है जो सीधे मतदाताओं को प्रभावित नहीं करती हैं। राज्य ने एमसीसी लागू होने के दिन दोपहर 3 l30 बजे के बाद जारी किए गए सभी जीआर को वापस ले लिया है।

बेपटरी हुआ लोकल ट्रेन का अंतिम डिब्बा

मुंबई। मध्य रेलवे पर टिटवाला सीएसटी लोकल के एक गार्ड कोच के पटरी से उतरने की घटना कल्याण रेलवे स्टेशन के पास हुई है। कोच के पटरी से उतरने के बाद यात्रियों में दहशत फैल गई। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। मिली जानकारी के मुताबिक सेंट्रल रेलवे के कल्याण रेलवे स्टेशन पर ट्रेन हादसा हुआ है। कल्याण रेलवे स्टेशन के प्लेटफॉर्म नंबर 2 पर एक लोकल ट्रेन के गार्ड डिब्बे के गिरने की घटना सामने आई है। मुंबई की ओर आ रही टिटवाला सीएसएमटी लोकल ट्रेन का गार्ड कोच पटरी से उतर गया। इस लोकल में कितने यात्री थे इसकी जानकारी अभी नहीं मिल पाई है। इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। लोकल ट्रेन का गार्ड कोच पटरी से उतरने के बाद रेलवे प्रशासन का अमला और पुलिस मौके पर पहुंची।

मनपा की तिजोरी में अब तक आए 16 करोड़

▪ अभय योजना के तहत की वसूली

▸▸ पानी बिल पर 73.73 करोड़ रुपए था बकाया

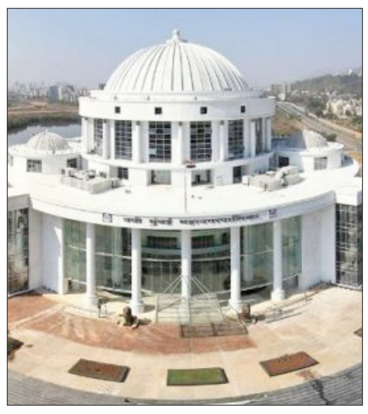

दोपहर संवाददाता । नवी मुंबई

महानगर पालिका ने पानी का बिल नहीं चुकाने वालों से पैसे वसूले, जिसकी कीमत करोड़ों में चली गई। पानी बिल के बकाएदारों के लिए नवी मुंबई मनपा द्वारा अभय योजना शुरू की गई थी, जिसे 15 अक्टूबर 2024 तक बढ़ाया गया था, इस अवधि के दौरान मनपा द्वारा 16 करोड़ रुपए से अधिक की राशि वसूली गई है।

गणेशोत्सव के कारण नहीं मिला रिस्पांस

हाल ही में गणेश उत्सव था इसके कारण पानी का बकाया चुकाया नहीं गया। बताया जाता है कि उक्त अवधि के दौरान गणेशोत्सव के कारण पानी बिल की बकाया राशि की वसूली को वह रिस्पांस नहीं मिला, जो मिलना चाहिए था।

1.38 लाख उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति

गौरतलब है कि नवी मुंबई मनपा की ओर से कुल 1 लाख 38 हजार 62 उपभोक्ताओं को पानी की आपूर्ति की जाती है। इनमें से हजारों ग्राहक नियमित रूप से पानी के बिल का भुगतान कर के मनपा को सहयोग कर रहे हैं। मनपा के जलापूर्ति विभाग के अनुसार कुछ ग्राहकों द्वारा पानी के बिल का भुगतान नहीं किया जा रहा था, ऐसे बकाएदार ग्राहकों पर 50 करोड़ रुपए से ज्यादा की राशि बकाया थी। 21 करोड़ 59 लाख का विलंब शुल्क और 99 लाख 59 हजार रुपए जुर्माना सहित यह राशि 73 करोड़ 73 लाख रुपए हो गई थी। उक्त राशि की वसूली करने के लिए मनपा आयुक्त डॉ. कैलाश शिंदे द्वारा उक्त अभय योजना की घोषणा की गई थी, जिसके तहत बकाया वसूलने के लिए विलंब शुल्क और जुर्माने की राशि पर 75% की छूट दी गई।

रेलवे की कर्मचारी महिला को यात्रियों ने पीटा

▪ जीआरपी ने 2 को किया गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । कल्याण

मुंबई लोकल से प्रतिदिन लाखों लोग यात्रा करते है। यात्रियों के बीच कई बार विवाद भी हो जाता है। कई बार यात्री टिकट लेते समय, टिकट काउंटर पर बैठे कर्मचारी के साथ बहस भी कर लेते है। लेकिन शुक्रवार को कल्याण टिकट स्टेशन पर यात्रियों ने अपनी सारे हदें पार कर दी। यात्रियों ने विवाद के चलते, रेलवे की एक महिला कर्मचारी की पिटाई कर दी। महिला कर्मचारी का नाम रोशना पाटिल है।

छुट्टे पैसों को लेकर हुआ विवाद

मिली जानकारी के अनुसार, यह विवाद छुट्टे पैसों को लेकर शुरू हुआ था, दोनों ही तरफ से बहस बढ़ गई, जिसके बाद लोगों ने उसे पीटना शुरू कर दिया। महिला की हालत इस हद्द तक खराब हो गई कि उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा। उसके शरीर पर जगह-जगह चोट के निशान देखने मिले। हालांकि जीआरपी पुलिस को सूचना मिलते ही, वे घटनास्थल पर पहुंच गए। कार्रवाई करते हुए अंसार शेख के साथ एक और शख्स को गिरफ्तार कर लिया है। इस घटना के बाद रेलवे टिकट क्लर्क अश्विनी शिंदे ने पुलिस सुरक्षा की मांग की है।

कांग्रेस ने तीन नेताओं को सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

▸▸ दो को मिला चुनावी राज्य का जिम्मा तो एक कराएगा सुलह

दोपहर संवाददाता । मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव को लेकर कांग्रेस ने अपनी तैयारियां तेज कर दी हैं। महाराष्ट्र चुनाव के लिए कांग्रेस ने छत्तीसगढ़ के दो सीनियर नेताओं को जिम्मेदारी दी है। वहीं, प्रदेश के एक अन्य नेता को ओडिशा कांग्रेस में जारी कलह को सुलझाने का काम सौंपा गया है। राज्य के तीन नेताओं को केंद्रीय स्तर पर बड़ी जिम्मेदारी मिलने से राज्य की सियासत में एक बार फिर से कई तरह की चर्चाएं लगाई जा रही हैं। कांग्रेस ने टीएस सिंहदेव और भूपेश बघेल के महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के लिए पर्यवेक्षक बनाया है। जबकि नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत को ओडिशा राज्य का जिम्मा दिया गया है। चरणदास महंत ओडिशा कांग्रेस के विवाद को सुलझाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें ओडिशा कांग्रेस के संगठनात्मक मामलों को सुलझाने, समन्वय की जिम्मेदारी दी है। वह अपनी रिपोर्ट तैयार कर पार्टी के आलाकमान को देंगे।

टीएस सिंहदेव को मिला पश्चिमी महाराष्ट्र का जिम्मा

छत्तीसगढ़ कांग्रेस के सीनियर नेता और राज्य के पूर्व डेप्युटी सीएम टीएस सिंहदेव को पश्चिमी महाराष्ट्र का सीनियर पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है। टीएस सिंहदेव के साथ एमपी पाटिल को भी इसी इलाके का पर्यवेक्षक नियुक्ति किया गया है। पश्चिमी महाराष्ट्र के कई जिले आते हैं। कोल्हापूर, सांगली, सतारा, पुणे, नासिक, अहमदनगर और सोलापूर प्रमुख हैं।

भूपेश बघेल ने भी संभाला मोर्चा

भूपेश बघेल को विदर्भ क्षेत्र की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नागपुर बेल्ट छत्तीसगढ़ की सीमा से लगता है। इस इलाके में आरएसएस का भी दबदबा है। भूपेश बघेल ने महाराष्ट्र चुनाव में जिम्मेदारी मिलने पर पार्टी का आभार जताया था। भूपेश बघेल ने विधानसभा चुनाव के लिए मोर्चा भी संभाल लिया है।

चरणदास महंत को भी मिली जिम्मेदारी

कांग्रेस ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत को बड़ी जिम्मेदारी सौंपी है। चरण दास महंत ओडिशा कांग्रेस में जारी विवाद को सुलझाएंगे। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने उन्हें यह जिम्मेदारी सौंपी है।

कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में बगावत की हवा

महागठबंधन में सीटों के बंटवारे को लेकर सियासी खींचतान बढ़ी

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

कल्याण पूर्व विधानसभा क्षेत्र में राजनीतिक माहौल गरमा गया है। जहां एक ओर महागठबंधन में सीट बंटवारे की प्रक्रिया तेज हो गई है, वहीं शिवसेना शिंदे गुट के शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने बीजेपी की उम्मीदवारी को लेकर बड़ी चेतावनी दी है। महेश गायकवाड़ ने मौजूदा विधायक या उनके परिवार के किसी सदस्य को दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने पर निर्दलीय चुनाव लड़ने की चेतावनी दी है। इस घोषणा से महागठबंधन में बगावत की हवा चलने लगी है, जिसका सीधा असर आगामी विधानसभा चुनाव पर पड़ सकता है, ऐसी आशंका राजनीतिक विशेषज्ञों ने जताई है।

महागठबंधन में तनाव

शिवसेना के शहर प्रमुख महेश गायकवाड़ ने मौजूदा विधायकों को दोबारा उम्मीदवार बनाए जाने पर गठबंधन छोड़ने और निर्दलीय चुनाव लड़ने की मौन चेतावनी दी है। इस चेतावनी से बीजेपी और शिंदे गुट के बीच असमंजस की स्थिति पैदा हो गई है। महेश गायकवाड़ ने स्पष्ट किया कि, 'लोगों में बहुत असंतोष है क्योंकि पिछले 15 वर्षों में इस निर्वाचन क्षेत्र का विकास नहीं हुआ है। अगर भाजपा मौजूदा विधायक या उनके परिवार के किसी व्यक्ति को फिर से उम्मीदवार बनाती है, तो मैं लोगों की भावनाओं का सम्मान करूंगा।' और निर्दलीय चुनाव लड़ेंगे।' महेश गायकवाड़ के सख्त रुख से पता चलता है कि महागठबंधन में अंदरूनी तनाव है। उन्होंने दावा किया है कि निर्वाचन क्षेत्र में विशेषकर पिछले 15 वर्षों में विकास का प्रदर्शन संतोषजनक नहीं है। विधानसभा क्षेत्र के नागरिकों ने भी विकास न होने पर नाराजगी जताई है, जिससे भाजपा पर जनता का दबाव बढ़ गया है।

शिंदे गुट इस सीट पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कर रहा है कोशिश

इस बीच, शिवसेना का शिंदे गुट इस सीट पर अपनी पकड़ मजबूत करने की कोशिश कर रहा है। पूर्व नगरसेवक नीलेश शिंदे और विशाल पावशे इस क्षेत्र से चुनाव लड़ने के इच्छुक हैं और उनकी तैयारी पिछले कुछ महीनों से स्थानीय स्तर पर चल रही है। गठबंधन में शिंदे गुट ने इस सीट पर अपना दावा ठोका है और अगर बीजेपी यहां उम्मीदवारी खारिज करती है तो उम्मीद है कि शिंदे गुट का ही उम्मीदवार चुनाव लड़ेगा। लेकिन 2019 के पिछले विधानसभा चुनाव में शिवसेना प्रायोजित निर्दलीय उम्मीदवार धनंजय बोडारे ने भी कड़ा मुकाबला करते हुए 48 हजार वोट हासिल किए थे। मौजूदा बीजेपी विधायक इस सीट को लेकर विवाद में फंस गए हैं। 2 फरवरी, 2024 को उल्हासनगर के हिललाइन पुलिस स्टेशन में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी के केबिन में गोलीबारी के मामले में उनके खिलाफ मामला दर्ज किया गया है और वह वर्तमान में तलोजा जेल में न्यायिक हिरासत में हैं। इस मामले में उनका बेटा अभी भी फरार है। इस मामले ने मौजूदा विधायकों की उम्मीदवारी को संदेह में डाल दिया है और ऐसी चर्चा है कि गठबंधन के वरिष्ठ नेता अब नए उम्मीदवार के चयन पर विचार कर रहे हैं।

उल्हासनगर में दो मटका जुगार अड्डे पर छापा, 6 आरोपी गिरफ्तार

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

उल्हासनगर पुलिस की हद में बड़े पैमाने पर मटका जुआ, ऑनलाइन लॉटरी ,तीन पट्टी जुगार इत्यादि मार्किट परिसर व स्टेशन परिसर में बेधड़क चलाया जा रहा है। इन पर कार्रवाई करते हुए शहर के अलग-अलग स्थानों पर पुलिस ने दो मटका-जुआ अड्डों पर छापेमारी कर 6 लोगों को गिरफ्तार किया है. इनके पास से नकदी समेत जुआ सामग्री बरामद की है।

17 अक्टूबर को छापेमारी

उल्हासनगर पुलिस ने 17 अक्टूबर की शाम 5 बजे के दरम्यान फक्कड़ मंडली कें पास छापेमारी कर मटका जुआ खेल रहे नरेश उर्फ कालू मोहनदास ओवनानी, किसन खत्री, मैंनुद्दीन पीर मोहम्मद पठान को गिरफ्तार कर मामला दर्ज कर लिया है। वही कैम्प-5 संतराम दास हॉस्पिटल के पास से 15 अक्टूबर की रात 9 बजे नितेश खटवानी, कालू बावनदास दोहा व विक्की दोहा को गिरफ्तार कर उनके पास से नगदी व जुआ की सामग्री बरामद की है। पुलिस द्वारा पिछले दिनों भी इस अड्डे पर कार्यवाही की थी पर यह फिर से सक्रिय हो गए। पुलिस ने बताया कि इन सभी के पास से नगदी और जुआ सामग्री बरामद की गयी है।

नाना बागुल का रिपाई आठवले गट में प्रवेश

▪ भगवान भालेराव की हकालपट्टी के बाद नियुक्ति

दोपहर संवाददाता । उल्हासनगर

शुक्रवार को उल्हासनगर और ठाणे जिले के राजनीतिक परिदृश्य में रिपाई के शहर अध्यक्ष पद पर अंबेडकरी आंदोलन के वरिष्ठ नेता और शिंदे समूह के उल्हासनगर संघटक नाना बागुल अपने समर्थकों के साथ रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (आरपीआई) गुट में प्रवेश किया। वहीं, केंद्रीय सामाजिक न्याय राज्य मंत्री और रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष रामदास आठवले ने बताया कि आंतरिक विवादों और अनुशासनात्मक कारणों से भगवान भालेराव का निष्कासन बरकरार रखा गया है।

'अनुशासन का उल्लंघन करने वालों के लिए कोई जगह नहीं'

पार्टी के भीतर अनुशासनात्मक कारणों से रिपाई के पूर्व जिला अध्यक्ष भगवान भालेराव का निष्कासन बरकरार रखा गया है। रामदास अठावले ने आधिकारिक तौर पर फैसले की घोषणा की और कहा, 'पार्टी अनुशासन का उल्लंघन करने वाले किसी भी नेता के लिए पार्टी में कोई जगह नहीं है।

रिपब्लिकन पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी : अठावले

मुंबई मराठी पत्रकार संघ द्वारा आयोजित एक संवाददाता सम्मेलन यह घोषणा की गयी। नाना बागुल का रिपाई अठावले ग्रुप में आना उल्हासनगर की राजनीति के लिए बड़ा झटका माना जा रहा है. रामदास अठावले ने कहा कि उनके आने से ठाणे जिले में रिपब्लिकन पार्टी को काफी मजबूती मिलेगी. नाना बागुल को उल्हासनगर में अम्बेडकरी आंदोलन के एक बेहद सम्मानित और अनुभवी नेता के रूप में जाना जाता है। उनके पास राजनीतिक जीवन का लंबा अनुभव है और उन्होंने उल्हासनगर के विकास में बहुत योगदान दिया है। बागुल के परिवार के सदस्य भी राजनीति में सक्रिय हैं और उनकी पत्नी और बेटा पूर्व पार्षद हैं। इससे पहले नाना बागुल रिपब्लिकन पार्टी के जिला अध्यक्ष की जिम्मेदारी संभाल चुके हैं. साथ ही उन्होंने भारतीय दलित पैंथर आंदोलन के बाद से अंबेडकरी आंदोलन में भी सक्रिय भूमिका निभाई है।

महायुति में नहीं होगी बगावत: गोपाल लांडगे

दोपहर संवाददाता । डोंबिवली

महाविकास आघाड़ी के पदाधिकारी दिपेश म्हात्रे ने डोंबिवली स्टेशन परिसर में चल रहे सुशोभिकरण कार्य पर सार्वजनिक बांधकाम मंत्री रविंद्र चव्हाण को घेरते हुए इसे दिखावे का काम बताया है। दीपेश म्हात्रे ने इस परियोजना को केवल राजनीति का हिस्सा करार देते हुए सरकार पर तीखा प्रहार किया। इस पर शिवसेना शिंदे गुट के जिला प्रमुख गोपाल लांडगे ने जवाब दिया कि 'जैसा नेता, वैसा अनुदायी' और आरोप लगाया कि कुछ लोग भ्रष्टाचार का नाम लेकर केवल प्रचार पाने की कोशिश कर रहे हैं।

पिछले दस वर्षों में शहर में विकास कार्य किए : दिपेश म्हात्रे

उन्होंने यह भी कहा कि पिछले दस वर्षों में शहर में विकास कार्य किए गए हैं और गड्ढों की समस्या कम हुई है। बीजेपी ने कल्याण ग्रामीण सीट पर दावा ठोंकते हुए बगावत करने की चेतावनी पार्टी आलाकमान को दी थी। इस सवाल के जवाब में शिंदे गुट के नेता गोपाल लांडगे ने कहा कि यदि कोई कार्यकर्ता या पदाधिकारी विधायक बनने की इच्छा जाहिर करता है तो इसमें कोई गलत बात नहीं है लेकिन महायुति के वरिष्ठ नेताओं के आदेश पर सभी घटक दलों को युति के नियमों का पालन करना होगा। महायुति में बगावत नहीं होगी, ऐसा दावा लांडगे ने किया। इसके विपरीत, उबाठा ने सरकार की उपलब्धियों को खारिज करते हुए कहा कि विपक्ष के पास किसी भी काम की आलोचना करने का अधिकार नहीं है।

देवलाली से दानापुर शेतकरी समृद्धि स्पेशल ट्रेन

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मध्य रेलवे प्रशासन ने किसानों का माल बुक करने एवं यात्रियो की सुविधा के लिए देवलाली से दानापुर तक शेतकरी समृद्धि विशेष रेल समय सारणी के अनुसार चलाने का निर्णय लिया है। ट्रेन संख्या 01153 साप्ताहिक शेतकरी समृद्धि स्पेशल ट्रेन दिनांक 19.10.2024 से 09.11.2024 तक प्रत्येक शनिवार को देवलाली से 17:15 बजे रवाना होगी और सोमवार को 09:00 बजे दानापुर पहुंचेगी। ट्रेन संख्या 01154 साप्ताहिक शेतकरी समृद्धि स्पेशल ट्रेन दिनांक 21.10.2024 से 11.11.2024 तक प्रत्येक सोमवार को दानापुर से 16:00 बजे रवाना होगी और बुधवार को सुबह 05:10 बजे मनमाड पहुंचेगी।

इस ट्रेन में लोडिंग के लिए प्रमुख स्टॉप

नाशिक: दानापुर से दूरी – 1509 किमी
मनमाड़: दानापुर से दूरी – 1436 किमी
भुसावल: दानापुर से दूरी – 1252 किमी

किसान व श्रमिक दोनों को सुहाना सफर

इस शेतकरी समृद्धि विशेष रेल में 10 सामान्य द्वितीय श्रेणी, 10 पार्सलयान और 03 एसएलआर लगाए जाएंगे जिससे दानापुर एवं पटना की ओर जाने वाले यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ का निपटान किया जा सके। इससे किसान और श्रमिक दोनों को सफर की सुविधा मिलेगी। इस पार्सल गाड़ी में फल ,सब्जियां और अन्य न खराब होने वाले सामान बुक किये जा सकते हैं। पार्सल केवल दानापुर के लिए लोड किए जाएंगे, जिससे लॉजिस्टिक्स को सुगम बनाया जा सकेगा।

किसान एवं यात्रियों के लिए यह विशेष रेल सेवा न केवल उनकी यात्रा को सुगम बनाएगी, बल्कि उनकी आर्थिक समृद्धि में भी योगदान देगी।

ठहराव: शेतकरी समृद्धि विशेष रेल नासिक रोड, मनमाड जंक्शन, जलगांव, भुसावल जंक्शन, बुरहानपुर, खंडवा, इटारसी, जबलपुर, सतना, कटनी, प्रयागराज छिवकी, पंडित दीन दयाल उपाध्याय जंक्शन, बक्सर और आरा को रुकेगी।

उदवाडा-वापी स्टेशनों एवं अतुल-वलसाड के बीच ब्लॉक के कारण कुछ ट्रेनें प्रभावित

दोपहर संवाददाता । मुंबई

मुंबई सेंट्रल मंडल के उदवाडा-वापी स्टेशनों के बीच रोड ओवर ब्रिज के निर्माण हेतु बो स्ट्रिंग गर्डर की लॉन्चिंग तथा अतुल-वलसाड के बीच गर्डर की लॉन्चिंग के लिए 21, 22 और 24 अक्टूबर तथा 1, 4, 8, 9 और 11 नवंबर, 2024 को ब्लॉक लिया जाएगा। यह ब्लॉक अप एवं डाउन मेन कंबाइंड लाइन पर लिया जाएगा, जिसके कारण पश्चिम रेलवे की कुछ ट्रेनें प्रभावित होंगी। पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारी विनीत अभिषेक ने एक प्रेस विज्ञप्ति जारी कर जानकारी दी।

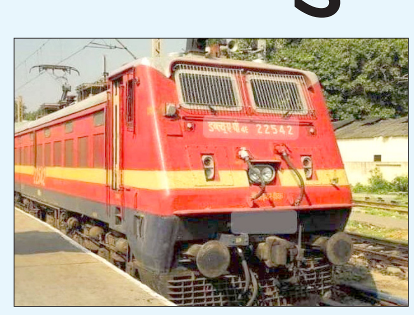

शॉर्ट टर्मिनेट/निरस्त होने वाली ट्रेनें

- 3 नवंबर, 2024 को भुज से तथा 4 नवंबर, 2024 को दादर से प्रस्थान करने वाली ट्रेन संख्या 20908/20907 भुज-दादर सयाजीनगरी एक्सप्रेस वलसाड तक चलेगी तथा वलसाड और दादर के बीच आंशिक रूप से निरस्त रहेगी।
- 4 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09154/09153 वलसाड-उमरगाम रोड मेमू स्पेशल निरस्त रहेगी।

रेगुलेट होने वाली ट्रेनें

- 21, 22 और 24 अक्टूबर तथा 9 और 11 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 20907 दादर- भुज सयाजीनगरी एक्सप्रेस 55 मिनट की देरी से प्रस्थान करेगी ।
- 21, 22 और 24 अक्टूबर तथा 9 और 11 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 20908 भुज- दादर सयाजीनगरी एक्सप्रेस 45 मिनट रेगुलेट होगी तथा 1 और 8 नवंबर, 2024 की यह ट्रेन 30 मिनट रेगुलेट होगी।
- 21, 22 और 24 अक्टूबर तथा 9 और 11 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 12926 अमृतसर- मुंबई सेंट्रल पश्चिम एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी तथा 1 और 8 नवंबर, 2024 की यह ट्रेन 20 मिनट रेगुलेट होगी तथा 4 नवंबर, 2024 की यह ट्रेन 1 घंटा 30 मिनट रेगुलेट होगी।
- 21 अक्टूबर और 11 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 16588 बीकानेर-यशवंतपुर एक्सप्रेस 25 मिनट रेगुलेट होगी तथा 4 नवंबर, 2024 की यह ट्रेन 1 घंटा 10 मिनट रेगुलेट होगी।
- 22 अक्टूबर, 2024 की ट्रेन संख्या 19028 जम्मू तवी– बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 25 मिनट रेगुलेट होगी।
- 1 और 8 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 12996 अजमेर– बांद्रा टर्मिनस एक्सप्रेस 30 मिनट रेगुलेट होगी।
- 1 और 8 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 14806 बाड़मेर– यशवंतपुर एक्सप्रेस 25 मिनट रेगुलेट होगी।
- 1 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09055 बांद्रा टर्मिनस– उधना स्पेशल 40 मिनट रेगुलेट होगी।
- 4 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 19015 दादर– पोरबंदर सौराष्ट्र एक्सप्रेस 50 मिनट रेगुलेट होगी।
- 4 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 09145 मुंबई सेंट्रल-बरौनी स्पेशल 30 मिनट रेगुलेट होगी।
- 4 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 22954 अहमदाबाद-मुंबई सेंट्रल गुजरात सुपरफास्ट एक्सप्रेस 1 घंटा रेगुलेट होगी।
- 9 नवंबर, 2024 की ट्रेन संख्या 02134 जबलपुर-बांद्रा टर्मिनस स्पेशल 1 घंटा रेगुलेट होगी।

दो बजे दोपहर
पत्रकारिता पावर नहीं रिस्पांसिबिलिटी है

अनमोल विचार | ज्ञान समुद्र की तरह मुक्त होना चाहिए : थॉमस ब्राउन

बाबा सिद्दीकी हत्याकांड में पुलिस की बड़ी कार्रवाई

- 5 और आरोपियों को किया गिरफ्तार
- लॉरेंस बिश्नोई गैंग से है कनेक्शन

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र में एनसीपी नेता बाबा सिद्दीकी की हत्या के मामले में शुक्रवार को पुलिस ने पांच और आरोपियों को अरेस्ट कर लिया है। इस तरह से इस हत्याकांड में कुल गिरफ्तार लोगों की संख्या बढ़कर नौ हो गयी है। मुंबई पुलिस के अधिकारी ने बताया कि आरोपियों को रायगढ़ जिले के कर्जत और पनवेल से गिरफ्तार किया गया है। इन सभी के लॉरेंस बिश्नोई गिरोह से कनेक्शन हैं। लॉरेंस बिश्नोई गैंग पर बाबा सिद्दीकी की गोली मारकर हत्या करने का आरोप लगा है। मुंबई पुलिस की क्राइम ब्रांच इस हत्या की जांच कर रही है।

12 अक्टूबर को हत्या

बता दें कि 12 अक्टूबर को दशहरे के दिन मुंबई के बांद्रा इलाके के निर्मल नगर में बाबा सिद्दीकी की गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी। बाबा सिद्दीकी उस दिन अपने बेटे जीशान सिद्दीकी के कार्यालय से बाहर निकल रहे थे। उसी दौरान तीन हमलावरों ने उन पर ताबड़तोड़ गोलियां बरसाईं। इससे वह गंभीर रूप से घायल हो गए थे। उन्हें गंभीर हालत में लीलावती अस्पताल में भर्ती कराया गया था, जहां उनकी मौत हो गई थी।

हत्या की मिस्ट्री का अबतक नहीं हुआ खुलासा

उन्होंने कहा कि मैं जानता हूं कि न्याय जरूर मिलेगा। मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे, उपमुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस और पुलिस कमिश्नर सभी इस मामले में काम कर रहे हैं। हमारी जांच जारी है। बाबा सिद्दीकी की हत्या क्यों हुई? इसका खुलासा अभी तक नहीं हुआ है। बाबा की हत्या को लेकर एसआरए प्रोजेक्ट पर क्या विवाद हुआ? या फिर बिश्नोई गैंग ने अभिनेता सलमान खान से महान अभिषेक के कारण बाबा सिद्दीकी की हत्या कर दी? ऐसे सवाल उठ रहे हैं।

पुलिस ने पांच को किया अरेस्ट

मुंबई पुलिस के वरिष्ठ अधिकारी के अनुसार पुलिस को विशेष सूचना मिली थी। उसके आधार पर रायगढ़ जिले के कर्जत और पनवे में अपराध शाखा की ओर से छापेमारी की गई। छापेमारी के दौरान अपराध से संबंधित साजिश और उसके निष्पादन के मामले में पुलिस ने पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। उन्होंने कहा कि इस तरह से बाबा सिद्दीकी हत्या के मामले में अब तक कुल नौ लोगों को अरेस्ट कर लिया गया है और जांच जारी है।

दूसरी ओर, विधायक जीशान शेखावत ने कहा कि मैं अभी कोई टिप्पणी करने के मूड में नहीं हूं। हमारी बैठकें चल रही हैं। अब तक तो आपने देखा ही होगा। हमारी अभी भी एक बैठक थी। मैं भी अपने परिवार की रक्षा करना चाहता हूं। कृपया मुझे कुछ समय दें, ताकि मैं आपके परिवार को सुरक्षा एवं अन्य महत्वपूर्ण कार्य प्रदान कर सकूं। हम निश्चित रूप से न्याय चाहते हैं।।

सलमान के घर पर फायरिंग करने वाले आरोपी की याचिका खारिज

मुंबई। मुंबई की एक विशेष अदालत ने शुक्रवार को अभिनेता सलमान खान के बांद्रा स्थित घर के बाहर गोलीबारी करने वाले शूटरों में से एक को जमानत देने से इनकार कर दिया। विशेष न्यायाधीश बीडी शेलके ने विक्की गुप्ता की जमानत याचिका खारिज कर दी। बता दें कि, 14 अप्रैल को फिल्म सुपरस्टार के गैलेक्सी अपार्टमेंट के बाहर हुई घटना के लिए गुप्ता को अन्य लोगों के साथ गिरफ्तार किया गया था। उसने और सह-आरोपी सागर पाल ने मोटरसाइकिल पर सवार होकर गोलीबारी की थी।

पश्चिम रेलवे

विद्युत पुनः वायरिंग कार्य

मुख्य कार्यशाला प्रबंधक ईएमयू कार्यशाला, महालक्ष्मी, मुंबई - 400 013, आमंत्रित करते हैं, **ई-निविदा सूचना संख्या: EL90/MX/2024-25/11 दिनांक: 14.10.2024. कार्य का नाम:** कार्य के दायरे और तकनीकी विनिर्देश के अनुसार ईएमयू महालक्ष्मी कार्यशाला की कैंटीन में विद्युत पुनः वायरिंग कार्य. **कार्य की अनुमानित लागत:** रु. 12,87,495.16. **ईएमडी:** रु. 25800/-. **निविदा प्रस्तुत करने और निविदा खोलने की तिथि और समय:** निविदा प्रस्तुत करने की तिथि 04.11.2024 को 12:00 बजे तक (इलेक्ट्रॉनिक रूप से). विवरण के लिए कृपया **www.ireps.gov.in** पर जाएं. 0638

हमें लाइक करें : facebook.com/WesternRly

शरद पवार से मिलने पर एक्शन

विधायक सतीश चव्हाण को अजित गुट ने पार्टी से किया निलंबित

दोपहर संवाददाता | मुंबई

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव से पहले शरद पवार और अजित पवार के बीच घमासान फिर खुल कर सामने आ गया है। उपमुख्यमंत्री अजित पवार की पार्टी एनसीपी ने विधायक सतीश चव्हाण को निलंबित कर दिया है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील तटकरे ने सतीश चव्हाण को निलंबित करने का ऐलान किया है। सतीश चव्हाण विधान परिषद के विधायक हैं। वह एनसीपी (एसपी) प्रमुख शरद पवार से मिलने मुंबई गए थे।उन्होंने शरद पवार से मुलाकात की थी। सतीश चव्हाण की शरद पवार से मुलाकात के बाद अजित पवार गुट ने उन्हें छह साल के लिए निलंबित कर दिया है। एनसीपी के प्रदेश अध्यक्ष सांसद सुनील तटकरे ने बताया कि विधायक सतीश चव्हाण को जानबूझकर पार्टी विरोधी रुख अपनाने और पार्टी अनुशासन तोड़ने के आरोप में छह साल के लिए पार्टी से निलंबित कर दिया गया है। बता दें कि महाराष्ट्र की राजनीति में चाचा शरद पवार और भतीजे अजित पवार के बीच घमासान मचा हुआ है। अजित पवार से शरद पवार से अलग होकर महायुति सरकार में शामिल होने का फैसला किया था। फिलहाल महाराष्ट्र में अजित पवार, एकनाथ शिंदे और बीजेपी की सरकार चल रही है।

पार्टी विरोधी रुख

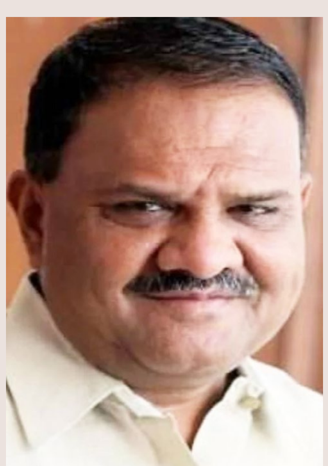

एनसीपी अजित गुट की ओर से सतीश चव्हाण को निलंबन की जानकारी पत्र के माध्यम से दी गई है। सतीश चव्हाण को भेजे गये पत्र में कहा गया है कि आप ने 15 अक्टूबर को एनसीपी और महायुति सरकार की छवि खराब करने के इरादे से जानबूझकर पार्टी विरोधी रुख अपनाया है। दरअसल, महायुति सरकार के कार्यकाल में समाज के सभी लोगों को न्याय दिया गया है। चूंकि आपने जानबूझकर उपरोक्त कृत्य किया है और पार्टी अनुशासन का उल्लंघन किया है, इसलिए आपको छह साल के लिए निलंबित किया जा रहा है।

दो ब्रेनडेड के अंगदान से दस मरीजों को मिली नई जिंदगी

मुंबई। मुंबई में बीते 24 घंटे में दो ब्रेनडेड हुए मरीजों के अंगदान से 10 मरीजों को नई जिंदगी मिली है। यह इस साल का 49वां सफल अंगदान है। अंगदान के प्रति बढ़ती जागरूकता के कारण इस साल के अंगदान से वर्ष 2022 का रिकॉर्ड टूट पाया है। वर्ष 2022 में 47 ब्रेनडेड मरीजों का अंगदान हुआ था। मुलुंड के फोर्टिस अस्पताल में बुधवार को एक 62 वर्षीय बुजुर्ग को डॉक्टरों ने ब्रेनडेड घोषित किया था। परिजनों की सहमति पर बुजुर्ग का लिवर, किडनी और कॉर्निया डोनेट कर पांच लोगों को नई जिंदगी दी गई है। इस बुजुर्ग के अंगदान के 24 घंटे के भीतर ही मुंबई के वॉकहार्ट अस्पताल में 51 वर्षीय व्यक्ति को ब्रेनडेड घोषित कर दिया गया। यहां भी परिजनों की सहमति पर ब्रेनडेड व्यक्ति का लिवर, किडनी, कॉर्निया और स्मॉल बाउल दान करने से पांच मरीजों को नई जिंदगी मिल पायी है।

'लास्ट माइल कनेक्ट कॉन्क्लेव' का आयोजन

मुंबई। डाक विभाग के महाराष्ट्र सर्किल ने अमिताभ सिंह, मुख्य पोस्टमास्टर जनरल के मार्गदर्शन में 'लास्ट माइल कनेक्ट कॉन्क्लेव' का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में बीमा और बैंकिंग क्षेत्र के विभिन्न व्यवसायों को एक साथ लाया गया, जिसमें पुराने साझेदारों के साथ-साथ नए व्यवसायिक भी शामिल हुए।

'फर्स्ट एंड लास्ट माइल सॉल्यूशन्स बाय इंडिया पोस्ट' विषय पर प्रस्तुति

अजिंक्य काले, निदेशक, मुंबई क्षेत्र ने ₹फर्स्ट एंड लास्ट माइल सॉल्यूशन्स बाय इंडिया पोस्ट₹ विषय पर एक प्रस्तुति दी । इसमें भौतिक और डिजिटल मेलिंग समाधान, स्मार्ट पार्सल वितरण प्रणाली, केवाईसी सत्यापन, आधार सेवाएं, डिजिटल जीवन प्रमाण पत्र, एईपीएस और उत्पाद वितरण के लिए साझेदारी जैसी नवीन पेशकशों पर प्रकाश डाला गया। क्लाउडहैंड्ज़ के संस्थापक श्री राजन तमिल ने ₹अंडरस्टेंडिंग न्यूआन्सेस ऑफ लास्ट माइल ऑपरेशन्स₹ शीर्षक के अंतर्गत अपनी प्रस्तुति में पूरी जानकारी दी । इसमें अंतिम-मील लॉजिस्टिक्स के उभरते परिदृश्य, मेलिंग में दक्षता के महत्व, प्रौद्योगिकी अपनाने और उन्नत मेल प्रबंधन पर चर्चा की गई।

पांच व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को किया गया सम्मानित

इस कार्यक्रम में बीमा और बैंकिंग क्षेत्र के शीर्ष पांच व्यवसायिक प्रतिष्ठानों को सम्मानित करने के साथ-साथ प्रोटीअन ई-गवर्नेंस टेक्नोलॉजी लिमिटेड को विशेष रूप से सम्मानित किया गया। अमिताभ सिंह ने अपनी सेवाओं में मानवीय दृष्टिकोण बनाए रखने की विभाग की प्रतिबद्धता पर जोर दिया, जिसमें विशेष रूप से प्रधानमंत्री सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना में विभाग की भूमिका का उल्लेख किया । इस योजना के अंतर्गत महाराष्ट्र में 11 लाख से अधिक तथा पूरे भारत में 57 लाख परिवारों का पंजीकरण किया गया । उन्होंने विभाग की भौतिक और डिजिटल सेवाओं के बीच तालमेल पर प्रकाश डालते हुए ₹फिजिटल₹ की अवधारणा पेश की। इस सम्मेलन में सुचिता जोशी, पोस्टमास्टर जनरल, नवी मुंबई क्षेत्र और अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित रहे ।

कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा समेत 7 लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज

दोपहर संवाददाता | मुंबई

प्रसिद्ध कोरियोग्राफर रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी सहित फेम प्रोडक्शन कंपनी के 7 लोगों के खिलाफ बॉम्बे हाई कोर्ट के आदेश पर मीरारोड पुलिस थाने में मामला दर्ज किया गया है। 'वी अनबीटेबल' डांस ग्रुप ने इस प्रोडक्शन कंपनी पर लगभग 11 करोड़ 96 लाख रुपए की धोखाधड़ी किए जाने का आरोप लगाया है। बता दें कि रेमो डिसूजा बॉलीवुड इंडस्ट्री के जाने-माने कोरियोग्राफर, फिल्म डायरेक्टर और प्रोड्यूसर हैं। मीरारोड पुलिस थाने में दर्ज शिकायत के अनुसार रेमो डिसूजा और उनके अन्य साथियों ने मिलकर भायंदर के एक डांस ग्रुप वी अनबीटेबल के साथ धोखाधड़ी की थी। पुलिस द्वारा इस मामले में कोई कार्रवाई नहीं किए जाने पर डांस ग्रुप ने बॉम्बे हाई कोर्ट का दरवाजा खटखटाया।

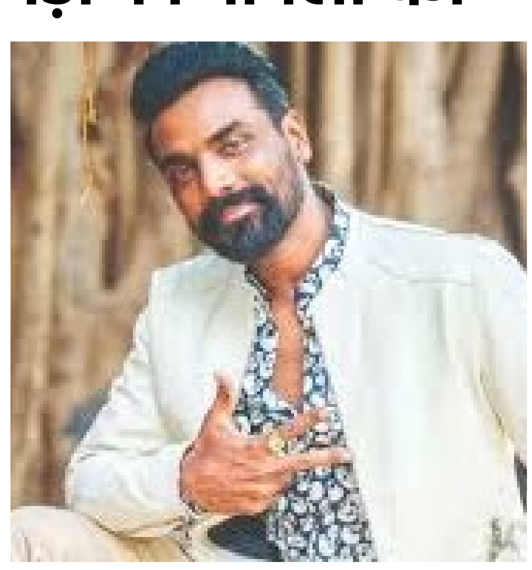

धोखाधड़ी का मामला है दर्ज

उनकी इस याचिका पर कोर्ट ने पुलिस को 4 सप्ताह के अंदर जांच कर रिपोर्ट पेश करने का आदेश दिया था। पुलिस आयुक्त के आदेशानुसार क्राइम ब्रांच वसई यूनिट के पुलिस निरीक्षक ने जांच कर कोर्ट को रिपोर्ट सौंपी, जिसके बाद मीरारोड पुलिस स्टेशन में इन लोगों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है।

क्या है पूरा मामला ?

जैसलपार्क चौपाटी पर डांस की प्रैक्टिस करते समय भायंदर निवासी डांसर वीर नरोत्तम की मुलाकात 2014 में ओमप्रकाश चौहान से हुई थी जिसे इस डांस ग्रुप ने अपना मैनेजर नियुक्त कर लिया था। इस ग्रुप के सभी डांसर 8 से 20 साल की उम्र के हैं और सभी मिलकर ग्रुप स्टेज शो, डांस शो, रियलिटी शो आयोजित करते थे। ग्रुप ने 2018 में मुंबई में आयोजित शो डांस प्लस रियलिटी शो सीजन-4 में हिस्सा लिया था। रोहित जाधव को उनके सहायक कोरियोग्राफर के रूप में नियुक्त किया गया था।

ग्रुप को नहीं मिले शो करने के पैसे

इस शो में पांच लाख का इनाम तय हुआ था और 1 लाख का वाउचर भी दिया गया था। लेकिन शो के पैसे और वाउचर ओमप्रकाश ने किसी को नहीं बांटे। शो में इस ग्रुप के 35 डांसर ने में 38 दिनों तक हिस्सा लिया था जिसके लिए उन्हें फ्रेम प्रोडक्शन द्वारा उन्हें प्रतिदिन 93 लाख 10 हजार का भुगतान करना था, जिसे उसने नहीं किया। आरोप है कि इस शो के जज रेमो डिसूजा ने इन डांसर्स की जिंदगी पर फिल्म बनाने के नाम पर उनकी अनापत्ति और हस्ताक्षर भी ले लिए। फिल्म पूरी होने के बाद ग्रुप को 50 लाख रुपये देने का समझौता हुआ था जो पूरा नहीं किया गया। रेमो डिसूजा और उनकी पत्नी लिजेल डिसूजा ने डांसर को केवल 5 लाख 11 हजार दिए। यह रकम भी चौहान ने ग्रुप के डांसरों को नहीं दी।

विदेशों में किए गए शो के पैसे भी हड़पे

इसके बाद 2019 में जब इस ग्रुप को अमेरिकाज गॉट टैलेंट सीजन 14 का ऑफर आया तो सभी अपने खर्चे पर अमेरिका गए। इसके अलावा भी ग्रुप ने दुबई और अन्य स्थानों पर 2015 से 2024 तक करीब 250 से अधिक स्टेज शो किए। आरोप है कि इन सबसे हुई कुल कमाई के करीब 11 करोड़ 96 लाख 10 हजार रुपए की रकम डांसर्स ग्रुप को नहीं अदा कर उनसे धोखाधड़ी की गई।

20.10.2024 (रविवार) और 21.10.2024 (सोमवार) को कसारा स्टेशन पर एनआई कार्यों के लिए विशेष यातायात और बिजली ब्लॉक

मध्य रेल, मुंबई मंडल कसारा स्टेशन पर प्लेटफॉर्म नंबर 1 के विस्तार और चौड़ीकरण और डाउन यार्ड में 3 आर एंड डी लाइनों के विस्तार हेतु एनआई कार्यों के लिए विशेष यातायात और बिजली ब्लॉक परिचालित करेगा। प्री एनआई कार्य उपलब्ध कॉरिडोर मार्जिन के साथ प्रगति पर हैं और एनआई की योजना दिनांक 20.10.2024 (रविवार) और 21.10.2024 (सोमवार) को बनाई गई है। विवरण इस प्रकार है :

ब्लॉक की तिथि, अवधि और ट्रैफ़िक ब्लॉक अनुभाग

- दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 03.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक **(22 घंटे)**
- डाउन लाइन - दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 10.40 बजे से 13.40 बजे तक **(3 घंटे)**
- अप लाइन - दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 12.40 बजे से 13.40 बजे तक **(1 घंटा)**
- अप और डाउन लाइनें संयुक्त - दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 19.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक **(6 घंटे)**

ट्रेन परिचालन पर प्रभाव

अप और डाउन लाइनों के दौरान संयुक्त रूप से - दिनांक 20.10.2024 (रविवार) को 19.20 बजे से 21.10.2024 (सोमवार) को 01.20 बजे तक **(6 घंटे)**

ट्रेन सेवाओं का रद्दीकरण - यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 11012 धुले-सीएसएमटी एक्सप्रेस
- 11011 सीएसएमटी-धुले एक्सप्रेस

शॉर्ट टर्मिनेशन (यात्रा समाप्ति) - यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 12140 नागपुर-सीएसएमटी सेवाग्राम एक्सप्रेस नासिक रोड पर शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा
- 12187 जबलपुर-सीएसएमटी गरीबरथ एक्सप्रेस मनमाड में शॉर्ट टर्मिनेट किया जाएगा

शॉर्ट ओरिजिनेशन - यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 12139 सीएसएमटी-नागपुर सेवाग्राम एक्सप्रेस नासिक रोड से 18.30 बजे
- 12188 सीएसएमटी-जबलपुर गरीबरथ एक्सप्रेस मनमाड से 17.55 बजे

अप ट्रेनों का डायवर्जन

(जलगांव-नंदुरबार-भेस्तान-वसई रोड के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 18.10.2024

- 18030 शालीमार-एलटीटी एक्सप्रेस
- 12810 हावड़ा-सीएसएमटी एक्सप्रेस

(जलगांव-नंदुरबार-भेस्तान-वसई रोड के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 11072 बलिया-एलटीटी कामायनी एक्सप्रेस
- 22537 गोरखपुर-एलटीटी कुशीनगर एक्सप्रेस
- 05069 छपरा-पनवेल विशेष
- 11058 अमृतसर-सीएसएमटी एक्सप्रेस
- 11062 जयनगर-एलटीटी पवन एक्सप्रेस
- 12860 हावड़ा-सीएसएमटी गीतांजलि एक्सप्रेस

(मनमाड-अहमदनगर-दौंड कॉर्ड लाइन-पुणे-लोनावला-कर्जत-कल्याण के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 17611 नांदेड़-सीएसएमटी राज्यरानी एक्सप्रेस
- 17618 नांदेड़-सीएसएमटी तपोवन एक्सप्रेस **(यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024)**
- 15018 गोरखपुर-एलटीटी काशी एक्सप्रेस

(मनमाड-अहमदनगर-दौंड कॉर्ड लाइन-पुणे के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 20822 संतरागाछी-पुणे हमसफर एक्सप्रेस

(मनमाड-अहमदनगर-दौंड कॉर्ड लाइन-पुणे-लोनावला-कर्जत-कल्याण-पनवेल के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 12742 पटना-वास्को डी गामा एक्सप्रेस

(मनमाड-अहमदनगर-दौंड कॉर्ड लाइन-पुणे-लोनावला-कर्जत-कल्याण के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 18.10.2024

- 01026 बलिया-दादर विशेष
- 01139 नागपुर-मडगांव विशेष **(यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024)**
- 05585 रक्सौल-एलटीटी एक्सप्रेस

(नांदेड़-परभणी-लातूर रोड-लातूर-कुर्डुवाड़ी-दौंड-पुणे-लोनावला-कर्जत-कल्याण के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024

- 07197 काजीपेट-दादर विशेष

डाउन ट्रेनों का डायवर्जन
(ब्लॉक अवधि के दौरान डाउन ट्रेनें कसारा में प्लेटफॉर्म नंबर 2 से चलेंगी)

(दिवा-वसई रोड-भेस्तान-नंदुरबार-जलगांव के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 12137 सीएसएमटी-फिरोजपुर पंजाब मेल
- 12261 सीएसएमटी-हावड़ा दुरंतो एक्सप्रेस
- 12145 एलटीटी-पुरी सुपरफास्ट एक्सप्रेस

(कल्याण-कर्जत-लोनावला-पुणे-दौंड कॉर्ड लाइन-अहमदनगर-मनमाड के रास्ते डायवर्ट) यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 17617 सीएसएमटी-नांदेड़ तपोवन एक्सप्रेस
- 12111 सीएसएमटी-अमरावती एक्सप्रेस
- 05586 एलटीटी-रक्सौल एक्सप्रेस
- 12105 सीएसएमटी-गोंदिया विदर्भ एक्सप्रेस
- 12289 सीएसएमटी-नागपुर दुरंतो एक्सप्रेस
- 11401 सीएसएमटी-बल्हारशाह नंदीग्राम एक्सप्रेस

कल्याण-कर्जत-लोनावला-पुणे-दौंड-कुर्डुवाड़ी-लातूर-लातूर रोड-परभणी-नांदेड़ के रास्ते डायवर्ट यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 07198 दादर-काजीपेट विशेष

पुनर्निर्धारित (रिशेड्यूल) ट्रेनें - यात्रा आरंभ की तिथि 20.10.2024

- 11055 एलटीटी-गोरखपुर गोदान एक्सप्रेस 11.55 बजे पुनर्निर्धारित (10.55 बजे के बजाय)
- 12869 सीएसएमटी-हावड़ा साप्ताहिक सुपर फास्ट एक्सप्रेस 11.35 बजे पुनर्निर्धारित (11.05 बजे के बजाय)
- 17612 सीएसएमटी-नांदेड़ राज्यरानी एक्सप्रेस पुनर्निर्धारित किया जाएगा (18.45 बजे के बजाय)
- 12809 सीएसएमटी-हावड़ा मेल दि. 21.10.2024 को 00.10 बजे पुनर्निर्धारित (21.10 बजे के बजाय)
- 17057 सीएसएमटी-लिंगमपल्ली देवगिरी एक्सप्रेस दि. 21.10.2024 को 00.00 बजे पुनर्निर्धारित (21.30 बजे के बजाय)
- 18029 एलटीटी-शालीमार एक्सप्रेस दि. 21.10.2024 को 00.30 बजे पुनर्निर्धारित (22.00 बजे के बजाय)
- 12322 सीएसएमटी-हावड़ा एक्सप्रेस दि. 21.10.2024 को 00.15 बजे पुनर्निर्धारित (22.15 बजे के बजाय)
- 12167 एलटीटी-बनारस सुपर फास्ट एक्सप्रेस 00.45 बजे पुनर्निर्धारित (22.45 बजे के बजाय)
- 12141 एलटीटी-पाटलिपुत्र एक्सप्रेस 01.35 बजे पुनर्निर्धारित (23.35 बजे के बजाय)
- 22224 साईनगर शिर्डी-सीएसएमटी वंदे भारत एक्सप्रेस 20.45 बजे पुनर्निर्धारित (17.45 बजे के बजाय)

ट्रेनों का रेगुलेशन

निम्नलिखित ट्रेन-यात्रा आरंभ की तिथि 19.10.2024 को 1 से 2 घंटे (के बीच) तक रेगुलेट होंगी

- 12142 पाटलिपुत्र-एलटीटी एक्सप्रेस
- 12162 आगरा कैंट-एलटीटी लश्कर एक्सप्रेस
- 12294 प्रयागराज-एलटीटी दुरंतो एक्सप्रेस
- 11080 गोरखपुर-एलटीटी एक्सप्रेस
- 14314 बरेली-एलटीटी एक्सप्रेस
- 11060 छपरा-एलटीटी एक्सप्रेस

नोट: वसई रोड मार्ग से डायवर्ट की गई सभी अप और डाउन ट्रेनों के लिए वसई रोड, भिवंडी रोड और ठाणे स्टेशन में 2 मिनट का अतिरिक्त ठहराव प्रदान किया जाएगा

मध्य रेल
www.cr.indianrailways.gov.in
centralrailwayindia | Central_Railway

ये ब्लॉक बुनियादी ढाँचे के रखरखाव और संरक्षा के लिए आवश्यक हैं।
यात्रियों से अनुरोध है कि वे होने वाली असुविधा के लिए रेलवे प्रशासन को सहयोग करें। 482

Download UTS App for Tickets

संपादकीय

पाक में जयशंकर

भले ही इस्लामाबाद में भारत-पाकिस्तान की द्विपक्षीय वार्ता नहीं थी, लेकिन लगभग नौ साल बाद किसी भारतीय विदेश मंत्री की पहली पाकिस्तान यात्रा के गहरे निहितार्थ हैं। नई दिल्ली द्वारा इस यात्रा को हरी झंडी देना ही इस बात का प्रबल संकेत है कि पर्दे के पीछे से की जा रही कूटनीति सार्थक रही है। दरअसल, शंघाई सहयोग संगठन के सम्मेलन में भाग लेने के लिये विदेश मंत्री के इस्लामाबाद जाने के निर्णय ने कई उम्मीदें जगायी हैं। एससीओ सम्मेलन में भाग लेने जाने से पहले एस जयशंकर ने घोषणा की थी कि पाकिस्तान को लेकर भारत की विदेश नीति निष्क्रिय नीति नहीं है। निश्चित रूप से भारत सरकार की ओर से यह संकेत देने का प्रयास किया गया कि दिल्ली किसी भी सकारात्मक संकेत का जवाब देने के लिये पूरी तरह से तैयार है। ऐसा भी नहीं है कि पाकिस्तान की राजधानी में एससीओ सम्मेलन में एस जयशंकर अपनी दो टूक बात करने से चूके हों। उन्होंने इस्लामाबाद को साफ-साफ शब्दों में इस मंच के जरिये सभ्य तरीके से सुना दिया कि आतंकवाद, उग्रवाद और अलगाववाद को प्रश्रय देने वाली नीति ही संबंधों में बाधक है। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि ये नीतियां व्यापार गतिविधियों, ऊर्जा प्रवाह, कनेक्टिविटी और लोगों से लोगों के संवाद-संबंध बनाने में बाधक बनती हैं। उन्होंने अतीत में एक मंच पर भारत-पाक के बीच पैदा होने वाली परंपरागत कटुता को दरकिनार करते हुए भी कड़े शब्दों में भारत की नीति को जाहिर कर दिया। वहीं दूसरी ओर भले ही शिखर वार्ता की अभी कोई स्थिति बनती नजर नहीं आ रही है, लेकिन विदेश मंत्री एस जयशंकर की अपने पाकिस्तानी समकक्ष इशाक डार के साथ अनौपचारिक बातचीत से द्विपक्षीय संबंधों में लंबे समय से उत्पन्न रुकावट खत्म होने की उम्मीद जरूर जगी है। बहरहाल, इस बात में कोई संदेह नहीं है कि घात और बात की नीति साथ-साथ नहीं चल सकती। जिस ओर एस जयशंकर ने शंघाई सहयोग संगठन मंच का उपयोग करते हुए स्पष्ट इशारा किया भी है। बहरहाल, इतना तो तय है कि यदि पाक अपनी पुरानी नीतियों को नहीं बदलता तो रिश्तों में जमी बर्फ के पिघलने की कोई गुंजाइश नहीं बचती। वैसे यह भी हकीकत है कि पाकिस्तान की रीतियों-नीतियों के चलते उससे सीमित जुड़ाव बनाये रखना भारतीय सरकारों के लिये भी एक चुनौती बनी हुई है। इस्लामाबाद, अन्य शब्दों में कहें तो पाकिस्तान सेना मुख्यालय रावलपिंडी की, बार-बार विश्वास को खंडित करने की नीति संबंधों को आगे बढ़ाने के प्रयासों में संदेह को जन्म देती है। यह एक हकीकत है कि आतंकवाद को प्रश्रय देने की पाक की नीति के चलते मेज पर वार्ता न करने के इच्छुक भारत को अपने अविश्वसनीय पड़ोसी के साथ संबंधों के विकल्प तलाशते रहने चाहिए। जिसमें बातचीत का माध्यम खुला रखना भी शामिल हैं। क्रिकेट डिप्लोमेसी भी अतीत की तरह भारत के लिये मददगार हो सकती है या नहीं, इस पर भी विचार करने की जरूरत है। लेकिन ये प्रयास लंबे समय से दोनों देशों के संबंधों में जमी बर्फ को पिघलाने में मददगार हो सकते हैं। निश्चित तौर पर एस. जयशंकर की पाकिस्तान यात्रा के सार्थक समापन को एक रचनात्मक उपलब्धि के तौर पर तो देखा जा सकता है। भले ही यह एक छोटा कदम हो, लेकिन आगे बढ़ने की दिशा में इस छोटे कदम को भी महत्वपूर्ण माना जा सकता है। हमें यह बात याद रखनी चाहिए कि भौगोलिक रूप से पाकिस्तान हमारा पड़ोसी है, जिसे बदला नहीं जा सकता। निश्चित रूप से अब गेंद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ के पाले में है कि संबंधों को ईमानदारी से आगे बढ़ाने में वे कितनी शराफत दिखाते हैं। हालांकि, संबंधों को मजबूत करने में उनके भाई और पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ का ट्रैक रिकॉर्ड विश्वास करने लायक नहीं रहा है। वैसे भी भारत से संबंधों की नई पहल करने से शरीफ को पहले पाकिस्तान सेना से निपटना होगा। जो पर्दे के पीछे से पाकिस्तानी लोकतंत्र को चला रही है। बहरहाल, नई दिल्ली की इसके नतीजे को लेकर उत्सुकता से नजर रहेगी।

‘फाइव आइज़’ के कंधे पर भारत विरोधी खेल

पुष्परंजन

‘कोई हाथ भी न मिलाएगा, जो गले मिलोगे तपाक से।’ कनाडा-भारत के शिखर नेताओं के सम्बन्ध पर कोई एक लाइन की टिप्पणी मांगे, तो बशीर बद्र का यह शे’र काफी है। आप पूछियेगा, मोदी आख़िरी बार कनाडा के प्राइम मिनिस्टर जस्टिन ट्रूडो से कब गले मिले थे? 23 फ़रवरी, 2018 को पीएम मोदी ने आख़िरी बार जस्टिन ट्रूडो को ‘हग’ किया था। ट्रूडो आठ दिन की यात्रा पर भारत आये थे। राष्ट्रपति भवन में जस्टिन ट्रूडो, और उनके परिवार का भव्य स्वागत पीएम मोदी की उपस्थिति में किया गया। अब ‘हग’ करना तो दूर, दोनों नेता हाथ मिलाने से कतराते हैं। लेकिन, ट्रूडो को ख़लिश इस बात की थी, कि बेंजामिन नेतन्याहू, बराक ओबामा, शेख हसीना और अबू धाबी के क्राउन प्रिंस शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान का विमानस्थल पर स्वागत करने वाले मोदी ने उन्हें हवाई अड्डे पर रिसीव क्यों नहीं किया? जस्टिन ट्रूडो से दरअसल पीएम मोदी खुन्नस खाये हुए थे। जस्टिन ट्रूडो अपनी यात्रा में एक ऐसे शख्स को ले आये थे, जिसकी जानकारी मिलते ही पीएम मोदी की भृकुटियां चढ़ गईं। वह शख्स था, कनाडा का तथाकथित पत्रकार मनवीर सिंह सैनी, जिसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की 2015 की कनाडा यात्रा का विरोध किया था। सैनी ने वैसा बैनर पकड़ रखा था, जिस पर लिखा था, ‘मोदी एक आतंकवादी है’, ‘मोदी आपका कनाडा में स्वागत नहीं है’, और ‘भारत खालिस्तान से बाहर है’। तस्वीरें तब वायरल हुई थीं। 4 नवम्बर, 2015 से जस्टिन ट्रूडो सत्ता में हैं। उससे तीन माह पहले, 1 अगस्त, 2015 को पीएम मोदी जब कनाडा गए थे, तब यह बैनर कांड हुआ था, उस समय स्टीफन हार्पर सत्ता में थे। मोदी ने इसे इग्नोर किया, और कनाडा से सम्बन्ध प्रगाढ़ करने की दिशा में कई समझौते किये। दोनों देशों के बीच सम्बन्ध सौहार्द्रपूर्ण बनें, इसे ध्यान में रखकर गुजराती मूल के नादिर पटेल को जस्टिन ट्रूडो के सत्ता में आने के कोई 10 महीने पहले दिल्ली, हाई कमिश्नर बनाकर भेजा गया था। लेकिन नादिर पटेल के संभाले बात संभल नहीं रही थी। 2018 में यात्रा समापन की पूर्व संध्या पर नई दिल्ली स्थित कनाडाई उच्चायोग में एक पार्टी का आयोजन था, जिसमें सिख अलगाववादी जसपाल अटवाल को, ट्रूडो के साथ आये एक सांसद ने पार्टी में आमंत्रित किया था। जसपाल अटवाल को 1986 में कनाडा की यात्रा के दौरान एक भारतीय कैबिनेट मंत्री की हत्या की कोशिश करने का दोषी ठहराया गया था। अटवाल को जेल में डाल दिया गया। रिहा होने के बाद अटवाल व्यवसायी बन गए। बाद में अटवाल जस्टिन ट्रूडो की लिबरल पार्टी के समर्थक बन गए, और वाशिंग मशीन में धुल गए। बहरहाल, कनाडा के उच्चायुक्त पद पर नादिर पटेल साढ़े तीन साल के लगभग रह पाए, उनकी जगह कैमरोन मैके को 16 मार्च, 2022 को तैनात किया गया। लेकिन कैमरोन मैके वही कर रहे हैं, जो उनका कमांड करने को बोल रहा है। ट्रूडो एक बार फिर 9 और 10 सितंबर, 2023 को दिल्ली आये। दिल्ली में आयोजित जी-20 सम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने कई विश्व नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं, लेकिन ट्रूडो को नज़रअंदाज़ कर दिया। इससे नाराज़ कनाडा ने अगले माह व्यापार मिशन के एक कार्यक्रम को कैंसिल कर दिया। इस नूराकुश्ती का एक दिलचस्प पहलू यह है, कि भारत ने कनाडा को निर्यात में लगातार वृद्धि की है। 2016-17 में 2.0 बिलियन डॉलर से यह बढ़कर 2023-24 में 3.8 बिलियन डॉलर हो गया है। कनाडा में इस बार आम चुनाव जस्टिन ट्रूडो जीत पाएंगे? इस सवाल के हवाले से कई सर्वे एजेंसियां शक ज़ाहिर कर रही हैं। कनाडा में प्रवासी सिख वोटर्स के बीच जस्टिन ट्रूडो अपनी लोकप्रियता बनाये रखना चाहते हैं। ‘एंटी मोदी हाइप’ के पीछे यह सबसे बड़ा कारण है। किसान आंदोलन के समर्थन में दिसंबर, 2020 को जो बयान जस्टिन ट्रूडो ने दिया, वह भी इसी रणनीति का हिस्सा था, जो मोदी से निजी अदावत को भी आगे बढ़ा रहा था। 2021 की जनगणना के अनुसार, कनाडा में 771,790 सिख रहते हैं। आप कह सकते हैं कि पंजाब के बाहर कनाडा में सबसे बड़ी सिख आबादी है। चुनाव अमेरिका में भी है, जिसके लिए 70,697 सिख वोटर मायने रखते हैं। कनाडा के बाद ब्रिटेन दूसरा देश है, जहां सिखों की आबादी पांच लाख, 35 हज़ार है। तीसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया है जहां दो लाख, 10 हज़ार 400 सिख बसे हुए हैं। न्यूज़ीलैंड में 41 हज़ार सिख आबादी है। ये ‘फाइव आइज़’ वाले वो देश हैं, जहां बसी सिख आबादी को मुख्यधारा की राजनीति इग्नोर नहीं कर सकती। दोनों लीडरशिप के बीच तनाव 2023 से ज्यादा तेज़ हुआ है। उसका मुख्य कारण आम चुनाव कहें, तो अतिशयोक्ति नहीं होगी। 18 जून, 2023 को 45 वर्षीय अलगाववादी हरदीप सिंह निज्जर की वैंकूवर के उपनगर शहर सरे में गुरुद्वारे से निकलते समय हत्या कर दी गई थी। उसकी हत्या से दो साल पहले 2020 में, हरदीप सिंह निज्जर को भारत सरकार द्वारा ‘आतंकवादी’ घोषित कर दिया गया था। निज्जर की हत्या मामले में ‘फाइव आइज़’ वाले देश भारत के विरुद्ध संयुक्त मोर्चा खोल चुके हैं। उसमें घी का काम गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या वाली तथाकथित साज़िश कर रही है, जिसके लपेटे में गृहमंत्री अमित शाह और राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार अजित डोभाल तक आ गए हैं। जिस तरह से सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आई हुई है, उसने कई सवालों को जन्म दिया है। 19 सितंबर, 2024 को, ओटावा ने एक भारतीय राजनयिक को निष्कासित कर दिया, और भारत ने भी एक कनाडाई राजनयिक को निष्कासित करके जवाबी कार्रवाई की। निष्कासन उसी समय हुआ जब ओटावा ने घोषणा की कि वह निज्जर की हत्या से भारतीय सरकारी एजेंटों को जोड़ने वाले ‘विश्वसनीय आरोपों की सक्रिय रूप से जांच कर रहा है’। कनाडा और भारत ने इस सप्ताह एक-दूसरे के खिलाफ बदले की कार्रवाई करते हुए 12 राजनयिकों को निष्कासित कर दिया, जिनमें दोनों देशों के शीर्ष राजदूत भी शामिल थे। 81 साल से ‘फाइव आइज़’ ब्रिटेन-अमेरिका, ऑस्ट्रेलिया, कनाडा, न्यूज़ीलैंड के बीच ख़ुफ़िया सहयोग कर रहा है, लेकिन क्या इनकी सूचनाओं से चुनावी लक्ष्य भी निर्धारित होता है? ट्रूडो ने न सिर्फ मोदी के खिलाफ मोर्चा खोल रखा है, चीनी राष्ट्रपति शी भी इस बार निशाने पर हैं। तीन साल पहले का एक वाकया है, 2021 में कैम्ब्रिज यूनिवर्सिटी में एक पेपर प्रस्तुत किया गया था, कई उदाहरणों के साथ जिसका निष्कर्ष था, ‘फाइव आइज़ न सिर्फ़ जासूसी गठबंधन है, बल्कि इसके नेता एक-दूसरे के राजनीतिक हितों का ध्यान रखते हैं।’ समझदार के लिए इतना इशारा काफ़ी है!

जीवन मंत्र

ओशो

जादूगर नहीं होता सद्गुरु

एक बार उसने मुझे उच्च सिंहासन पर बिठा दिया, फिर वह मुझे नियंत्रित करना चाहेगा। तब वह मुझ पर शक्तिशाली बनकर हावी होना चाहेगा, क्योंकि नियंत्रण उसके हाथों में होगा। यदि वह सिंहासन से मुझे नीचे उतारना चाहे, तो ऐसा कर सकता है, क्योंकि सिंहासन उसका ही है। अहंकार कैसी-कैसी चालबाजी के खेल खेले जाता है, तुम्हें इसका निरीक्षण करना है।

एक संन्यासी है प्रघोष, जो मुझे पत्र पर पत्र लिखे जाता है कि ‘भगवन! आखिर आप मुझे बहुत साधारण और सामान्य क्यों लगते हैं?’ मैंने अभी तक इसका उत्तर नहीं दिया था, लेकिन अब उत्तर देने का ठीक समय आ गया है। मैं साधारण लगता ही नहीं, मैं साधारण और सामान्य ही हूं। लेकिन उसकी समस्या क्या है? मैं अपने साधारण होने से जरा भी चिंतित नहीं हूं। मैं इसके साथ अत्यधिक प्रसन्न हूं। प्रघोष कठिनाई में क्यों है? उसकी मुसीबत यह है कि वह मुझे असाधारण देखना चाहता है। एक ऐसा व्यक्ति, जो चमत्कार अथवा कुछ वैसी ही चीजें कर सके। वह मुझसे राख या भभूत अथवा स्विस घड़ियां चमत्कारिक रूप से उत्पन्न कराना चाहता है अथवा कुछ ऐसे ही चमत्कारों की अपेक्षा करता है। वह एक सद्गुरु की नहीं, एक जादूगर की खोज में है।

सूफी चमत्कारों में विश्वास नहीं करते। उनके विचार में यह मूर्खता है और सिर्फ मूर्ख ही चमत्कारों के प्रति आकर्षित होते हैं। सद्गुरु तो एक साधारण व्यक्ति होता है, अति-सामान्य।

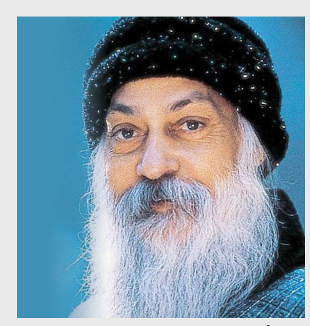

एक सद्गुरु इतना साधारण होता है कि उसके पास किसी तरह का अहंकार नहीं होता। सभी असाधारणताएं एक तरह का अहंकार हैं। एक सद्गुरु साधारण रूप से ‘कोई नहीं’ होता है। उसकी साधारणता ‘कोई नहीं, कुछ नहीं’ की होती है। पर वे लोग ही, जो हीनता-ग्रंथि से ग्रसित होते हैं, असाधारणता की खोज करते हैं। मगर मैं उसकी (प्रघोष) कठिनाई समझ सकता हूं। वह मेरे द्वारा अहंकार की सैर करना चाहता है।

एक दिन प्रघोष की स्त्री उर्मि मेरे पास आई और रोते हुए मुझे बताया कि ‘आखिर क्या किया जाए भगवन्? प्रघोष मुझे एक ऊंचे आसन पर बिठा देता है। वह सोचता है, जैसे मैं एक देवी हूं, और तब वह मुझे अपराध बोध का अनुभव कराता है, क्योंकि मैं एक मनुष्य हूं। वह मुझसे एक देवी बनने की अपेक्षा करता है, और यदि मैं एक देवी की भांति व्यवहार नहीं करती, तब वह मुझे अपराध बोध का अनुभव कराता है।’

उर्मि जब अपनी कहानी में अपनी पीड़ा को जोड़ रही थी, तब मैं सोच रहा था, तो ऐसा वह तेरे साथ भी कर रहा है? ऐसा ही वह मेरे साथ भी करना चाहता है। वह मुझे ऊंचे सिंहासन पर बिठाना चाहता है- एक चमत्कारी मनुष्य या असाधारण विशेषताओं वाला मनुष्य बनकर, जो होता नहीं है।

शख्सियत | मातंगिनी हाजरा

एक क्रांतिकारी प्रतीक

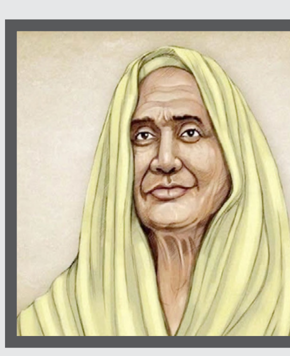

मातंगिनी हाजरा का जन्म 19 अक्टूबर, 1870 को भारत के पश्चिम बंगाल के मिदनापुर जिले में स्थित होगला गाँव में हुआ था। सांस्कृतिक रूप से समृद्ध वातावरण में पली-बढ़ी, वह अपने समय की प्रचलित सामाजिक और राजनीतिक धाराओं से प्रभावित थीं।

मातंगिनी की भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में यात्रा 20वीं सदी की शुरुआत में शुरू हुई। 1905 में बंगाल के विभाजन के बाद उनकी भागीदारी और बढ़ गई, जिसने भारत में कई लोगों को ब्रिटिश औपनिवेशिक शासन के खिलाफ लड़ने के लिए प्रेरित किया। मातंगिनी भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस की सक्रिय सदस्य बन गईं और विभिन्न विरोध प्रदर्शनों और रैलियों में भाग लिया। वह महात्मा गांधी की शिक्षाओं से बहुत प्रभावित थीं और उन्होंने अहिंसक प्रतिरोध के दर्शन को अपनाया। हालाँकि, उनकी क्रांतिकारी भावना ने उन्हें प्रतिरोध के अधिक उग्र रूपों में भी भाग लेने के लिए प्रेरित किया। मातंगिनी को विशेष रूप से 1942 के भारत छोड़ो आंदोलन में उनके नेतृत्व के लिए जाना जाता था, जहाँ उन्होंने स्थानीय ग्रामीणों को अंग्रेजों के खिलाफ लड़ाई में शामिल होने के लिए प्रेरित किया था। 29 सितंबर, 1942 को ब्रिटिश शासन के खिलाफ़ एक विरोध प्रदर्शन के दौरान, मातंगिनी हाजरा ने अपने गांव के पुलिस स्टेशन में कार्यकर्ताओं के एक समूह का नेतृत्व किया, गिरफ़्तार स्वतंत्रता सेनानियों की रिहाई की मांग की। ब्रिटिश पुलिस ने भीड़ पर गोलियाँ चलाईं, लेकिन हाजरा बिना विचलित हुए आगे बढ़ती रहीं। केवल भारतीय ध्वज के साथ, उन्होंने गोली लगने के दौरान वंदे मातरम (मातृभूमि की जय) का नारा लगाया। मातंगिनी हाजरा उस दिन शहीद हो गईं, जो भारतीय स्वतंत्रता संग्राम की अदम्य भावना का प्रतीक है। भारत की स्वतंत्रता के लिए मातंगिनी हाजरा के साहस और प्रतिबद्धता ने उन्हें इतिहास के पन्नों में एक स्थायी व्यक्तित्व बना दिया है। उन्हें प्रतिरोध और सशक्तिकरण के प्रतीक के रूप में याद किया जाता है, जो आने वाली पीढ़ियों को न्याय और स्वतंत्रता के लिए लड़ने के लिए प्रेरित करती हैं। उनके योगदान की मान्यता में, उनके सम्मान में विभिन्न संस्थान और स्मारक स्थापित किए गए हैं, यह सुनिश्चित करते हुए कि उनकी विरासत सामाजिक और राजनीतिक परिवर्तन के लिए प्रयास करने वालों को प्रेरित करती रहे।

जीवन ऊर्जा

थॉमस ब्राउनः जन्म-19 अक्टूबर, 1605 | जन्म

ज्ञान समुद्र की तरह मुक्त होना चाहिए

थॉमस ब्राउन एक लेखक थे जो विज्ञान, दर्शन और चिकित्सा में अपने कार्यों के लिए जाने जाते थे। उनके उल्लेखनीय ग्रंथों में रिलिजियो मेडिसी और अर्न ब्यूरियल शामिल हैं, जो वैज्ञानिक जांच को गहरे दार्शनिक चिंतन के साथ मिलाते हैं। ब्राउन की अनूठी गद्य शैली और नश्वरता और अस्तित्व की खोज ने एक स्थायी साहित्यिक विरासत छोड़ी है। थॉमस ब्राउन का जन्म 19 अक्टूबर, 1605 को हुआ था और 19 अक्टूबर, 1682 को उनकी मृत्यु हो गई।

ज्ञान समुद्र की तरह मुक्त होना चाहिए। हम सभी अपने इलाज के खिलाफ़ संघर्ष करते हैं; क्योंकि मृत्यु सभी बीमारियों का इलाज है। आलसी लोगों का यह सामान्य भाग्य है कि वे अपने अधिकारों को सक्रिय लोगों का शिकार बनते देखें। जो अपना इतिहासकार खुद है, वह जीवनीकार नहीं हो सकता। कोई भी व्यक्ति अपने आप में एक द्वीप नहीं है। पागलपन के स्पर्श के बिना कोई महान प्रतिभा नहीं है। जीवन छोटी-छोटी चीज़ों का एक बड़ा समूह है। सबसे बड़ी बुद्धि छोटी-छोटी चीज़ों में है। मनुष्य की आत्मा एक सूक्ष्म जगत है। हमें जो होना है, हमें होना ही है। जिन लोगों को हम पीछे छोड़ जाते हैं, उनके दिलों में रहना मरना नहीं है। मुझे अक्सर अपने भाषण पर पछतावा होता है, लेकिन अपनी

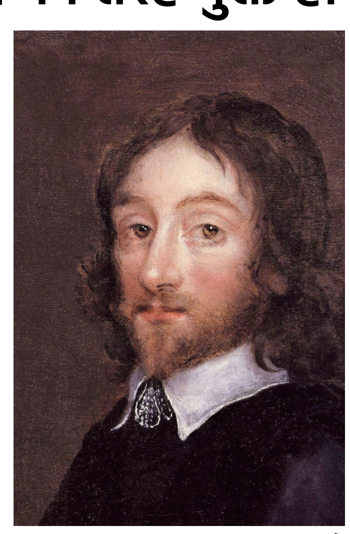

चुप्पी पर कभी नहीं। हर आदमी, अपने तरीके से, एक दार्शनिक है। सबसे बड़ा आश्चर्य यह है कि कोई आश्चर्य नहीं है। जो दार्शनिक बनना चाहता है, उसे मौन में सोचना सीखना चाहिए। अपनी आत्मा को जानने का तरीका अपने मन को जानना है। जीवन भविष्य के साथ टकरावों की एक श्रृंखला है। हम सभी कीड़े हैं, लेकिन मेरा मानना है कि मैं एक चमकता हुआ कीड़ा हूँ। दुनिया का ज्ञान खुद के ज्ञान की ओर एक कदम है। जो तर्क नहीं करेगा वह कट्टर है; जो नहीं कर सकता वह मूर्ख है; और जो हिम्मत नहीं करता वह गुलाम है। एक आदमी मर सकता है, लेकिन एक अच्छा विचार जीवित रहता है। भविष्य की राह एक लंबी और घुमावदार सड़क है। हम अपने घरों को अपने भीतर रखते हैं। सत्य हमेशा बहुमत की राय के समान नहीं होता। दिल के अपने कारण होते हैं जिन्हें तर्क नहीं जानता।

सर्वसिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ बिजाना शाजापुर मध्य प्रदेश

रावण शिवभक्त विद्वान ही नहीं अति मानववादी भी था

(भाग 2)

अशोक उद्यान पहुँचते ही रावण ने सीता से कहा कि राम लंका विजय की कामना से समुद्र तट पर महेश्वर लिंग विग्रह की स्थापना करने जा रहे हैं और रावण को आचार्य वरण किया है।

यजमान का अनुष्ठान पूर्ण हो यह दायित्व आचार्य का भी होता है तुम्हें विदित है कि अर्द्धांगिनी के बिना गृहस्थ के सभी अनुष्ठान अपूर्ण रहते हैं। विमान आ रहा है, उस पर बैठ जानाध्यान रहे कि तुम वहाँ भी रावण के अधीन ही रहोगी। अनुष्ठान समापन उपरान्त यहाँ आने के लिए विमान पर पुनः बैठ जाना।

स्वामी का आचार्य अर्थात स्वयं का आचार्य

यह जानजानकी जी ने दोनों हाथ जोड़कर मस्तक झुका दिया स्वस्थ कण्ठ से सौभाग्यवती भव कहते रावण ने दोनों हाथ उठाकर भरपूर आशीर्वाद दिया

सीता और अन्य आवश्यक उपकरण सहित रावण आकाश मार्ग से समुद्र तट पर उतरे

आदेश मिलने पर आनाकहकर सीता को उन्होंने विमान में ही छोड़ा और स्वयं राम के सम्मुख पहुँचे

जामवन्त से संदेश पाकर भाईमित्र और सेना सहित श्रीराम स्वागत सत्कार हेतु पहले से ही तत्पर थेसम्मुख होते ही वनवासी राम आचार्य दशग्रीव को हाथ जोड़कर प्रणाम किया

दीर्घायु भव लंका विजयी भव

दशग्रीव के आशीर्वचन के शब्द ने सबको चौंका दिया

सुग्रीव ही नहीं विभीषण की भी उन्होंने उपेक्षा कर दीजैसे वे वहाँ हों ही नहीं

भूमि शोधन के उपरान्त रावणाचार्य ने कहा

यजमानअर्द्धांगिनी कहाँ है उन्हें यथास्थान आसन दें

श्रीराम ने मस्तक झुकाते हुए हाथ जोड़कर अत्यन्त विनम्र स्वर से प्रार्थना की, कि यदि यजमान असमर्थ हो तो योग्याचार्य सर्वोत्कृष्ट विकल्प के अभाव में अन्य समकक्ष विकल्प से भी तो अनुष्ठान सम्पादन कर सकते हैं

अवश्यअवश्य किन्तु अन्य विकल्प के अभाव में ऐसा संभव है प्रमुख विकल्प के अभाव में नहींयदि तुम अविवाहित, विधुर अथवा परित्यक्त होते तो संभव थाइन सबके अतिरिक्त तुम संन्यासी भी नहीं हो और पत्नीहीन वानप्रस्थ का भी तुमने व्रत नहीं लिया है इन परिस्थितियों में पत्नीरहित अनुष्ठान तुम कैसे कर सकते हो

कोई उपाय आचार्य

(क्रमशः)

पंडित कैलाशचंद्र शर्मा
वैदिक सनातन संस्कृति के प्रचारक व सर्व सिद्ध श्री बगलामुखी तारा महाशक्ति पीठ के संस्थापक।
मो. नं. 9425980556

प्रेरक प्रसंग

मूल्य

एक बार एक सभा को संबोधित करने के लिए देश के एक महान विद्वान को बुलाया गया। विद्वान ने हाथ में 100 रुपए का नोट ऊपर उठाते हुए सभा की शुरुआत की। विद्वान की चर्चा आस-पास के इलाके में इतनी ज्यादा थी कि उन्हें सुनने के लिए सैकड़ों लोग इकट्ठा हुए थे। विद्वान ने अपना हाथ ऊपर करते हुए पूछा कि इस नोट को कौन पाना चाहेगा? इस पर वहां मौजूद सभी लोगों ने अपने हाथ उठा दिए। इस पर विद्वान ने कहा कि यह नोट किसी एक आदमी को मिलेगा इस नोट को मुझे पहले रगड़ लेने दो। उन्होंने अब नोट को अपने हाथों से तोड़- मरोड़ डाला और हाथ से ऊपर उठाकर पूछा अब इस नोट को कौन लेगा? इसके बाद भी सभा में मौजूद सभी लोगों ने नोट को लेने के लिए हाथ उठा दिए। इस पर विद्वान ने कहा कि अच्छा, तो मुझे ऐसा भी करने दो।' और उन्होंने नोट को जमीन में गिराकर अपने जूतों से रगड़ दिया। नोट अब पूरी तरह से गंदा हो चुका था। विद्वान ने फिर हाथ में लिया और पूछा कि अब इसे कौन लेना चाहेगा? अब इस सब के बाद भी सभी लोगों ने नोट को पाने के लिए हाथ उठा दिए।

अब विद्वान ने कहा, मेरे दोस्तों, मैं आपको महत्वपूर्ण बात बताना चाहता था। भले ही मैंने इस नोट के साथ अच्छा न किया हो लेकिन इससे आप लोगों को एक सबक जरूर मिला। आप नोट को इसलिए लेना चाहते हैं कि रगड़ने से इसकी कीमत कम नहीं हुई। यह अभी भी 100 रुपए का नोट है। ऐसे ही कई बार जीवन भी हमें रगड़ देता है, हमें गंदा बना देता है। कई बार ऐसा समय लगता है कि हमारी कोई कीमत नहीं है। लेकिन हमें यह ध्यान रखना चाहिए कि जाहे जितनी भी बुरी परिस्थिति आ जाए पर हमें अपना मूल्य यानी गुण हमेशा बरकरार रखने चाहिए।' इसी प्रकार से जैसे-जैसे वक्त गुजरेगा वैसे ही परिस्थितियां भी बदलेंगी। आप इस बात को कभी न भूलो कि आप दुनिया में एक स्पेशल इंसान हो। व्यक्ति देखने में कैसा भी हो लेकिन दुनिया उसी को अपना संबंध रखना चाहती जिसके पास कोई गुण हो। यानी जो जितना मूल्यवान होता है उसकी उतनी हर जगह जरूरत होती है। - यही इस कहानी का सार है।

यह अखबार "माध्यम कार्पोरेट सर्विसेज लि. " के लिए प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक अरुणलाल द्वारा ग्राउंड फ्लोर, ऑफिस नं. 2, के. के. चैम्बर्स, पुरुषोत्तमदास ठाकरदास रोड, फोर्ट, मुंबई- 400001 से प्रकाशित एवं सोमानी प्रिंटिग प्रेस, गाला नं. 4, एन.के.इंडस्ट्रियल इस्टेट, इनसाइड प्रवासी इंडस्ट्रियल इस्टेट गेट नं. 2, गोरेगांव पू., मुंबई-63 से मुद्रित। फोन नं. 022-66555719 ईमेल : indiagroundreport@gmail.com कार्यकारी संपादक : राजा आदाटे (पी.आर.बी. अधिनियम के अंतर्गत खबरों के चयन के लिए जिम्मेदार)।

दो बजे दोपहर

न्यूज़ ब्रीफ

केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के बेटे, भाई और बहन पर धोखाधड़ी का मामला दर्ज

नई दिल्ली। केंद्रीय मंत्री प्रहलाद जोशी के भाई गोपाल जोशी और बहन विजयलक्ष्मी के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया गया है। FIR में गोपाल के बेटे अजय जोशी का भी नाम है। शिकायत पूर्व JD(S) विधायक देववंद फूल सिंह चव्हाण की पत्नी सुनीता चव्हाण ने दर्ज कराई। सुनीता के मुताबिक, उन्होंने साल 2023 में विधानसभा का चुनाव लड़ा था, जिसमें हार का सामना करना पड़ा था। उनका आरोप है कि गोपाल राय ने लोकसभा चुनाव का टिकट दिलाने की बात कहकर उनसे 25 लाख रुपए लिए थे। लेकिन टिकट नहीं मिला। पैसे वापस मांगने पर गोपाल ने कहा कि 200 करोड़ रुपए का प्रोजेक्ट मिलने वाला है। उसके नाम पर 1 करोड़ 75 लाख रुपए और ले लिए। लेकिन अब रुपए नहीं लौटा रहे हैं। बेंगलुरु पुलिस कमिश्नर बी दयानंद ने कहा कि किश्तों नें 2 करोड़ रुपए दिए गए हैं। इसकी जांच की जा रही है।

अब्बास को 2 केस में सुप्रीम कोर्ट से जमानत

मऊ। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को मुख्तार अंसारी के बेटे और मऊ विधायक अब्बास अंसारी को दो मामलों में जमानत दी है। अब्बास को मनी लॉन्ड्रिंग केस के साथ ही चित्रकूट जेल में मोबाइल रखने के मामले में जमानत दी है। हालांकि, गैंगस्टर मामले में अब्बास अंसारी को जमानत नहीं मिली है। इस वजह से अब्बास अभी जेल में ही रहेगा। सुप्रीम कोर्ट ने गैंगस्टर मामले में जमानत के लिए हाईकोर्ट जाने को कहा है।

गैर कश्मीरी युवक की गोली मारकर हत्या

शोपियां। जम्मू-कश्मीर के शोपियां जिले में शुक्रवार को एक गैर कश्मीरी युवक की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस ने दक्षिण कश्मीर जिले के जैनापोरा के वाची इलाके से शव बरामद किया। मृतक की पहचान बिहार के रहने वाले अशोक चौहान के रूप में हुई है।

सद्गुरु के फाउंडेशन के खिलाफ बंधक बनाने का केस बंद

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने दो लड़कियों को बंधक बनाने के मामले में सद्गुरु जग्गी वासुदेव के ईशा फाउंडेशन के खिलाफ केस बंद कर दिया है। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने शुक्रवार को कहा कि मद्रास हाईकोर्ट का ऐसी याचिका पर जांच के आदेश देना सही नहीं था। आश्रम में पुलिस का छापा भी गलत था। कोर्ट ने कहा कि लड़कियों के पिता की याचिका गलत है, क्योंकि दोनों लड़कियां बालिग हैं, जब वे आश्रम में गई तो उनकी उम्र 27 और 24 साल थी। वो अपनी मर्जी से आश्रम में रह रही हैं। कोर्ट ने यह भी कहा कि इस फैसले का असर सिर्फ इसी केस तक सीमित रहेगा। ईशा फाउंडेशन के खिलाफ रिटायर्ड प्रोफेसर एस कामराज ने मद्रास हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। उनका आरोप था कि आश्रम में उनकी बेटियों लता और गीता को बंधक बनाकर रखा गया है। हाईकोर्ट ने 30 सितंबर को मामले के खिलाफ जांच करने और ईशा फाउंडेशन से जुड़े सभी क्रिमिनल केसों की डिटेल पेश करने का आदेश दिया था।

दंतेवाड़ा-नारायणपुर मुठभेड़ में 38 नक्सली मारे गए थे : पुलिस

- दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर हुई मुठभेड़ में बरामद हुए थे 31 शव
- भाकपा (माओवादी) ने अन्य 7 नक्सलियों की मौत के बाद शव उठाने की पुष्टि की

एजेंसी | दंतेवाड़ा

छत्तीसगढ़ पुलिस ने कहा है कि चार अक्तूबर को राज्य के नक्सल प्रभावित दंतेवाड़ा-नारायणपुर जिले की सीमा पर हुई मुठभेड़ में 38 नक्सली मारे गए थे। उन सभी पर सामूहिक रूप से 2.62 करोड़ रुपये का इनाम था। मुठभेड़ में मारे गए सभी 38 नक्सलियों की पहचान कर ली गई है। दंतेवाड़ा के एसपी गौरव राय न शुक्रवार को बताया कि सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ के बाद 31 नक्सलियों के शव बरामद किए थे। माओवादियों ने स्वीकार किया है कि मुठभेड़ में सात अन्य नक्सलियों की भी मौत हुई। उन्होंने कहा कि इस घटना में कुल 38 नक्सली मारे गए थे। सुरक्षाबलों ने चार अक्तूबर को नारायणपुर-दंतेवाड़ा जिले की सीमा पर थुलथुली और नेंदुर गांवों के बीच जंगल में अबूझमाड़ क्षेत्र में मुठभेड़ के बाद 31 नक्सलियों के शव और हथियारों का जखीरा बरामद किया था। इस अभियान में जिला रिजर्व गार्ड (डीआरजी) और स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) का संयुक्त दल शामिल था।

कमांडर नंदू मंडावी भी हुआ ढेर

एसपी ने बताया कि राज्य में इस वर्ष सुरक्षाकर्मियों के साथ मुठभेड़ में डीकेएसजेडसी के चार सदस्यों की मौत हो गई। मृतकों में नंदू मंडावी भी शामिल था जो माओवादियों के पश्चिमी बस्तर डिवीजन का कमांडर था। उस पर 10 लाख रुपये का इनाम था। मारे गए शेष कैडरों में से 22 पर आठ-आठ लाख रुपये, नौ पर पांच-पांच लाख रुपये और तीन पर दो-दो लाख रुपये का इनाम था। मारे गए नक्सली पुलिस के साथ मुठभेड़ की 61 घटनाओं, पुलिस शिविर पर हमले की 11 घटनाओं, बारूदी सुरंग विस्फोट की 17 घटनाओं, आगजनी की नौ और मतदान केंद्र पर हमले की तीन घटनाओं में शामिल थे।

उर्मिला पर था 25 लाख का इनाम

एसपी ने बताया कि प्रतिबंधित भाकपा (माओवादी) के पूर्वी बस्तर डिवीजन ने पुष्टि की है कि उस मुठभेड़ में सात और नक्सली मारे गए थे तथा वे गोलीबारी के दौरान शवों को अपने साथ ले जाने में सफल रहे। एसपी राय ने बताया कि इस स्वीकारोक्ति के साथ ही मुठभेड़ में मारे गए कुल 38 नक्सलियों की पहचान कर ली गई है। इनमें से नीति उर्फ उर्मिला, दंडकारण्य स्पेशल जोनल कमेटी (डीकेएसजेडसी) की महिला सदस्य थी और उस पर 25 लाख रुपये का इनाम था। मुठभेड़ के बाद सुरक्षाकर्मियों द्वारा बरामद 31 शवों में से 29 शव उनके रिश्तेदारों को सौंप दिए गए हैं।

मनी लॉन्ड्रिंग केस में सत्येंद्र जैन को जमानत

- दिल्ली कोर्ट ने कहा- ट्रायल जल्द खत्म होने के आसार नहीं
- मई 2022 में गिरफ्तार हुए थे

एजेंसी | नई दिल्ली

आम आदमी पार्टी (AAP) के नेता और दिल्ली सरकार के पूर्व मंत्री सत्येंद्र जैन को शुक्रवार को दिल्ली की अदालत ने जमानत दे दी है। राउज एवेन्यू कोर्ट ने जमानत देते हुए कहा- अभी ट्रायल के जल्द खत्म होने के आसार नहीं हैं।

क्या है मामला ?

ED ने 24 अगस्त 2017 को CBI की तरफ से दर्ज की गई FIR को आधार बनाकर जैन के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में जांच शुरू की थी। ED ने आरोप लगाया था कि सत्येंद्र ने उनसे जुड़ी 4 कंपनियों के जरिए मनी लॉन्ड्रिंग की। ED का आरोप था कि जैन ने इन फर्जी कंपनियों के जरिए आए पैसे का इस्तेमाल 14 फरवरी 2015 से 31 मई 2017 के बीच कई लोगों के नाम पर चल संपत्तियां खरीदने में किया। इसके अलावा दिल्ली और उसके आसपास कृषि भूमि की खरीद के लिए लोन अदायगी में किया था। जांच एजेंसी ने आरोप लगाया था कि मामले में सत्येंद्र से पूछताछ की गई थी। जिसमें वे संतोषजनक हिसाब नहीं दे सके थे। सत्येंद्र के अलावा पूनम जैन, अजित प्रसाद जैन, सनील कुमार जैन, वैभव जैन और अंकुश जैन के खिलाफ भी मामला दर्ज किया गया था। इसके बाद सत्येंद्र को 30 मई 2022 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वे तिहाड़ जेल में थे।

अयोग्यता मामला

हाईकोर्ट ने विधानसभा स्पीकर कार्यालय से जवाब मांगा

एजेंसी | नई दिल्ली

दिल्ली हाईकोर्ट ने शुक्रवार को विधायक करतार सिंह तंवर की विधानसभा से उनकी अयोग्यता को चुनौती देने वाली याचिका पर स्पीकर कार्यालय से जवाब मांगा है। न्यायमूर्ति संजीव नरूला ने दिल्ली विधानसभा अध्यक्ष के कार्यालय को नोटिस जारी किया और मामले को 9 दिसंबर को आगे की सुनवाई के लिए सूचीबद्ध किया।

2020 में आम आदमी पार्टी के टिकट पर छतरपुर निर्वाचन क्षेत्र से जीतने वाले तंवर को अध्यक्ष राम निवास गोयल ने 24 सितंबर को दलबदल विरोधी कानून के तहत अयोग्य घोषित कर दिया था। विधायक जुलाई में एक अन्य विधायक राज कुमार आनंद के साथ भाजपा में शामिल हो गए थे। तंवर का प्रतिनिधित्व कर रहे वरिष्ठ अधिवक्ता जयंत मेहता ने

प्रस्तुत किया कि उन्हें व्यक्तिगत सुनवाई का अवसर दिए बिना जल्दबाजी में आदेश पारित किया गया था। उन्होंने कहा कि फैसले के कारण वह अपने कर्तव्यों का पालन करने में असमर्थ हैं और विकास कार्य बाधित हो रहे हैं। याचिका में दिल्ली विधानसभा की सदस्यता से अयोग्य ठहराने वाले विधानसभा अध्यक्ष द्वारा पारित 24 सितंबर के आदेश को रद्द करने की मांग की गई है।

याचिका में स्पीकर के अलावा विधायक दिलीप कुमार पांडे को भी एक पक्ष के रूप में नामित किया गया है, क्योंकि उन्होंने अगस्त में याचिकाकर्ता को अयोग्य ठहराने की मांग करते हुए शिकायत दायर की थी।

BJP-68, AJSU-10, JDU-2 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

- झारखंड में चिराग की पार्टी को एक सीट
- NDA की सीट शेयरिंग का ऐलान

एजेंसी | रांची

झारखंड विधानसभा चुनावों के बाद एनडीए गठबंधन ने सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया है। नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू को 2 सीटें जबकि चिराग पासवान की एलजेपी को 1 सीट दी गई है। इन चुनावों में एनडीए गठबंधन में आजसू भी है। आजसू को कुल 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। बाकी की बची हुई सभी सीटों पर भारतीय जनता पार्टी चुनाव लड़ेगी। झारखंड विधानसभा चुनाव की तारीखों के ऐलान के बाद भाजपा ने एनडीए गठबंधन के दलों के बीच सीट का बंटवारा किया है। झारखंड में एनडीए की तरफ से सबसे ज्यादा सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। भाजपा कुल 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी। एनडीए गठबंधन के घटक दलों के बीच सीट बंटवारे की जानकारी देते हुए भाजपा के झारखंड प्रभारी हिमंता बिस्वा सरमा ने बताया कि सीटों को लेकर चर्चा चल रही है। उन्होंने कहा कि अभी तक यह तय किया गया है कि ऑल झारखंड स्टूडेंट्स यूनियन (AJSU) कुल 10 सीटों पर चुनाव लडेग़ी। इसके अलावा नीतीश कुमार के नेतृत्व वाली जेडीयू (JDU) झारखंड की 2 सीटों पर चुनाव लड़ेगी और चिराग पासवान के नेतृत्व वाली एलजीपी (LJP) भी एक सीट पर चुनाव लड़ेगी। उन्होंने बताया कि बाकी की सभी सीटों पर भाजपा चुनाव लड़ेगी। रांची में प्रेस कॉन्फ्रेंस में हिमांता बिस्वा सरमा ने चुनाव में एनडीए के सीट शेयरिंग की जानकारी दी। इसमें उन्होंने आंशिक बदलाव की भी बात कही है। सरमा ने बताया कि ये चुनाव मोदी के नेतृत्व में एनडीए लड़ेगा। कहा कि आज जो बता रहा हूं ये फाइनल नहीं है। सामान्य परिवर्तन हो सकता है।

इन सीटों पर चुनाव लड़ेगी AJSU

एनडीए की तरफ से आजसू 10 सीटें दी गई हैं। इसमें सिल्ली, रामगढ़, ईचागढ़, मांडू, जुगसलाई, डुमरी, पाकुड़, लोहरदगा, मनोहरपुर, गोमिया से चुनाव लड़ सकती है।

जदयू इन सीटों पर लड़ेगी चुनाव

एनडीए गठबंधन के घटक दल जेडीयू को झारखंड में दो सीटें दी गई हैं। जेडीयू जमशेदपुर वेस्ट और तमाड़ से चुनाव लड़ेगी। इसके अलावा चिराग पासवान की पार्टी लोजपा को चतरा सीट दी गई है। बाकी बची सभी सीटों पर बीजेपी लड़ेगी। 15 अक्टूबर को चुनाव आयोग ने झारखंड विधानसभा चुनावों की तारीखों का ऐलान किया। झारखंड में दो चरणों में मतदान होगा। चुनाव आयोग के ऐलान के बाद पार्टियों ने सक्रियता तेज की और अपने प्रत्याशियों के ऐलान के लिए मंथन शुरू कर दिया है। एक ओर जहां प्रदेश की भाजपा, कांग्रेस और जेएमएम जैसी बड़ी पार्टियां अभी तक एक भी सीट पर प्रत्याशी का ऐलान नहीं किया है, वहीं जयराम महतो के नेतृत्व वाली जेकेएलम ने प्रत्याशियों की तीन लिस्ट जारी कर दी है। भाजपा के नेतृत्व वाले एनडीए गठबंधन ने सीट बंटवारे का ऐलान कर दिया है वहीं इंडिया गठबंधन की तरफ से अभी तक सीट बंटवारे का ऐलान नहीं हो पाया है।

पुंछ से आतंकवादियों का हेल्पर गिरफ्तार, 4 ग्रेनेड बरामद

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर में पुलिस और सुरक्षाबलों ने जॉइंट ऑपरेशन में आतंकवादी से जुड़े एक व्यक्ति को पकड़ा। पुंछ के सुरनकोट सेक्टर के दुंदक इलाके से आरोपी को गिरफ्तार किया गया है। उसके पास से 4 ग्रेनेड बरामद हुए। पुलिस-सुरक्षाबलों को उम्मीद है कि युवक के गिरफ्तार होनों से पुंछ शहर और सुरनकोट में पिछले दिनों हुए 2-3 ग्रेनेड हमलों की गुत्थी सुलझने की उम्मीद है।

प्रधानमंत्री 22-23 अक्टूबर को रूस की यात्रा पर जाएंगे

- 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होंगे

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 16वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के निमंत्रण पर 22-23 अक्तूबर को रूस की यात्रा करेंगे। विदेश मंत्रालय ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन की 16वीं बैठक रूस के कजान में आयोजित की जाएगी। विदेश मंत्रालय की ओर से जारी बयान में बताया गया कि प्रधानमंत्री मोदी रूस की अपनी यात्रा के दौरान ब्रिक्स के सदस्य देशों के अपने समकक्षों और कजान में आमंत्रित नेताओं के साथ द्विपक्षीय बैठकें भी कर सकते हैं।

दुनिया के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच

विदेश मंत्रालय ने बताया कि यह सम्मेलन नेताओं को दुनिया के प्रमुख मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगा। मंत्रालय ने कहा कि इस शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स द्वारा शुरू की गई पहलों की प्रगति का आकलन किया जाएगा तथा यह भविष्य में सहयोग के लिए संभावित क्षेत्रों की पहचान करने के वास्ते एक मूल्यवान अवसर भी प्रदान करेगा।

बाल विवाह जीवनसाथी चुनने का अधिकार छीनता है: सुप्रीम कोर्ट

एजेंसी | नई दिल्ली

बाल विवाह को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार (18 अक्टूबर) को फैसला सुनाया। CJI डीवाई चंद्रचूड़, जस्टिस जेबी पारदीवाला और जस्टिस मनोज मिश्रा की बेंच ने कहा, बाल विवाह रोकने के लिए हमें अवेयरनेस की जरूरत है, सिर्फ सजा के प्रावधान से कुछ नहीं होगा। CJI ने कहा, हमने बाल विवाह की रोकथाम पर बने कानून (PCMA) के उद्देश्य को देखा और समझा। इसके अंदर बिना किसी नुकसान के सजा देने का प्रावधान है, जो अप्रभावी साबित हुआ। हमें जरूरत है अवेयरनेस कैंपेनिंग की। सुप्रीम कोर्ट ने 10 जुलाई को सुनवाई के बाद फैसला सुरक्षित रख लिया था। याचिका सोसाइटी फॉर एनलाइटनमेंट एंड वॉलेंटरी एक्शन ने 2017 में लगाई थी। NGO का आरोप था कि बाल विवाह निषेध अधिनियम को शब्दशः लागू नहीं किया जा रहा है।

पिछली सुनवाई में क्या-क्या हुआ था?

- सुप्रीम कोर्ट ने जागरूकता अभियान और प्रशिक्षण जैसे विशिष्ट कार्यक्रमों पर सवाल उठाते हुए कहा था - ये कार्यक्रम और व्याख्यान वास्तव में जमीनी स्तर पर चीजों को नहीं बदलते हैं। हम यहां किसी की आलोचना करने के लिए नहीं हैं। यह एक सामाजिक मुद्दा है। सरकार इस पर क्या कर रही है।
- अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल ने बेंच को वर्तमान स्थिति के बारे में बताते हुए कहा था कि आंध्र प्रदेश, तेलंगाना, महाराष्ट्र और असम जैसे राज्यों में बाल विवाह के मामले ज्यादा देखे गए हैं। असम को छोड़कर पूर्वोत्तर राज्यों में ऐसी कोई घटना नहीं हुई है।
- विधि अधिकारी का कहना था कि 34 राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों में से 29 ने बाल विवाह पर आंकड़े उपलब्ध कराए हैं। पिछले तीन साल में हालात में काफी सुधार हुआ है। उन्होंने यह भी कहा था कि बाल विवाह के मामलों में दोषसिद्धि पर कोई डेटा उपलब्ध नहीं है। हालांकि 2005-06 की तुलना में बाल विवाह के मामलों में 50% की कमी आई है।

बाल विवाह के खिलाफ असम में कई फैसले लागू

जुलाई 2024 में असम सरकार की कैबिनेट ने असम मुस्लिम निकाह और तलाक पंजीकरण अधिनियम, 1935 को हटाकर अनिवार्य रजिस्ट्रेशन लॉ को लाने के लिए एक बिल को मंजूरी दी थी। 1935 के कानून के तहत स्पेशल कंडीशन में कम उम्र में निकाह करने की अनुमति दी जाती थी। जुलाई में जारी इंडिया चाइल्ड प्रोटेक्शन रिपोर्ट ने बाल विवाह से निपटने के लिए असम सरकार के प्रयासों की सराहना की। रिपोर्ट में कहा गया कि कानूनी कार्रवाई के जरिए असम में बाल विवाह के मामलों को कम किया है। 2021-22 और 2023-24 के बीच राज्य के 20 जिलों में बाल विवाह के मामलों में 81% की कमी आई है।

छापेमारी | कमिश्नर और स्पेशल लैंड एक्यूजीशन के ऑफिस की तलाशी

MUDA के ऑफिस में ED की छापेमारी

पैरामिलिट्री फोर्स के साथ आई थी

एजेंसी | बेंगलुरु

ED के 12 अधिकारियों की एक टीम ने शुक्रवार को कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्धारमैया के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग मामले में मैसुरु अर्बन डेवलपमेंट अथॉरिटी (MUDA) के ऑफिस में छापेमारी की। ED ने MUDA कमिश्नर रघुनंदन और स्पेशल लैंड एक्यूजीशन के ऑफिस की भी तलाशी ली। बताया जा रहा है कि कि एजेंसी कुछ दस्तावेज जब्त किए हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के अनुसार एजेंसी घोटाले में शामिल सभी अधिकारियों की जांच करेगी।यह छापेमारी MUDA के चेयरमैन के मारी गौड़ा के इस्तीफे के बाद हुई है। ED सेंट्रल पैरामिलिट्री फोर्स के साथ आई थी। टीम ने मैसुरु में कई अन्य जगहों पर भी छापेमारी की है। हालांकि, वे जगहें सीधे तौर पर मुख्यमंत्री या उनके परिवार से जुड़ी नहीं है।

सिद्धारमैया पर जमीन घोटाले मामले में केस चलेगा

कर्नाटक CM सिद्धारमैया के खिलाफ जमीन घोटाले से जुड़े मामले में केस चलेगा। कर्नाटक हाईकोर्ट के जस्टिस एम. नागप्रसन्ना ने 21 सितंबर को कहा- 'याचिका में जिन बातों का जिक्र है, उसकी जांच जरूरी है। केस में मुख्यमंत्री का परिवार शामिल है, इसलिए याचिका खारिज की जाती है।' राज्यपाल थावरचंद गहलोत ने 16 अगस्त को भ्रष्टाचार निवारण अधिनियम, 1988 की धारा 17ए और भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS), 2023 की धारा 218 के तहत सिद्धारमैया के खिलाफ केस चलाने की अनुमति दी थी। CM ने 19 अगस्त को इसे हाईकोर्ट में चुनौती दी।

2 दिन पहले MUDA चेयरमैन ने दिया था इस्तीफा

दो दिन पहले 16 अक्टूबर को MUDA के चेयरमैन मारी गौड़ा ने इस्तीफा दिया था। उन्होंने रेजिग्नेशन लेटर में लिखा था कि CM ने उन्हें इस्तीफा देने को कहा था। लेकिन उन्होंने किसी दबाव में नहीं, बल्कि स्वास्थ्य कारणों से इस्तीफा दिया है। उन्होंने यह कदम MUDA जमीन घोटाले की लोकायुक्त जांच के बीच उठाया था। गौड़ा CM सिद्धारमैया के करीबी हैं। उन्होंने 40 साल से ज्यादा समय तक काम उनके साथ काम किया है। ED के साथ ही मैसुरु लोकायुक्त भी घोटाले की जांच कर रहे हैं। जांच शुरू होने के बाद से अब तक सिद्धारमैया की पत्नी MUDA की तरफ से मिले 14 प्लॉट वापस करने की बात कह चुकी हैं, वहीं कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के बेटे राहुल खड़गे ने भी अपने ट्रस्ट को दी गई 5 एकड़ जमीन लौटा चुके हैं।

जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन जारी

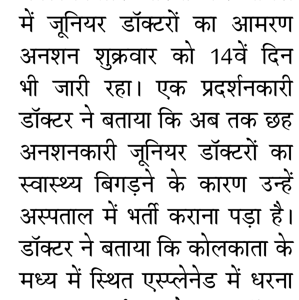

कोलकाता। आरजी कर मामले में जूनियर डॉक्टरों का आमरण अनशन शुक्रवार को 14वें दिन भी जारी रहा। एक प्रदर्शनकारी डॉक्टर ने बताया कि अब तक छह अनशनकारी जूनियर डॉक्टरों का स्वास्थ्य बिगड़ने के कारण उन्हें अस्पताल में भर्ती कराना पड़ा है। डॉक्टर ने बताया कि कोलकाता के मध्य में स्थित एस्प्लेनेड में धरना स्थल पर वर्तमान में आठ डॉक्टर अनिश्चितकालीन भूख हड़ताल पर हैं। प्रदर्शनकारी चिकित्सकों ने कहा कि सरकार ने उनकी 10 सूत्री मांगों पर अब कोई ठोस कदम नहीं उठाया है।

दो बजे दोपहर

खबर संक्षेप

आलमगीर आलम पर 56 करोड़ की अवैध उगाही का आरोप

रांची: झारखंड सरकार के ग्रामीण विकास विभाग में कमीशनखोरी से 56 करोड़ रुपये की अवैध वसूली का खुलासा ईडी (प्रवर्तन निदेशालय) की जांच में हुआ है। रिपोर्ट के अनुसार, तत्कालीन मंत्री आलमगीर आलम को हर टेंडर पर 1.35% कमीशन मिलता था, जबकि इंजीनियरों और नौकरशाहों को 1.65% हिस्सा दिया जाता था। ईडी की पूछताछ में कई इंजीनियरों ने टेंडर से कमीशन लेने की बात स्वीकार की। इनमें राजीव लोचन, अजय तिर्की, संतोष कुमार जैसे प्रमुख नाम शामिल हैं। उन्होंने बताया कि वसूली की रकम मंत्री के आप्त सचिव संजीव लाल तक पहुंचाई जाती थी।

एनडीए में सीट बंटवारे पर सहमति, 68 सीटों पर लड़ेगी भाजपा

रांची: झारखंड विधानसभा चुनाव के लिए एनडीए के बीच सीटों का बंटवारा हो गया है। भाजपा 68 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, जबकि आजसू को 10, जदयू को 2 और लोजपा (आर) को 1 सीट मिली है। झारखंड भाजपा के सह-प्रभारी और असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने यह जानकारी दी। आजसू जिन 10 सीटों पर चुनाव लड़ेगी, उनमें सिल्ली, रामगढ़, गोमिया, और लोहरदगा शामिल हैं। जदयू को जमशेदपुर पश्चिम और तमाड़ सीटें मिली हैं, जबकि चतरा सीट लोजपा (आर) को दी गई है।

सोशल मीडिया पर एयर गन दिखाना पड़ा भारी

केकड़ी: सरवाड़ में पुलिस ने एक युवक को सोशल मीडिया पर एयर गन दिखाकर दहशत फैलाने के आरोप में गिरफ्तार किया है। 24 वर्षीय विनोद प्रजापत, जो कुम्हार मोहल्ले का निवासी है, ने हाल ही में एयर गन के साथ अपनी तस्वीर सोशल मीडिया पर साझा की। इस फोटो ने स्थानीय लोगों में भय और असुरक्षा का माहौल पैदा कर दिया। पुलिस ने तुरंत मामले का संज्ञान लेते हुए विनोद की तलाश शुरू की और उसे शांति भंग करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया।

खाद्य मिलावट के खिलाफ कार्रवाई

अलवर: जिले में चलाए जा रहे शुद्ध आहार मिलावट पर वार अभियान के तहत खाद्य सुरक्षा अधिकारियों के दल ने विभिन्न स्थानों पर कार्रवाई की। इस दौरान, 150 किलो खराब पनीर और 400 लीटर मिलावटी दूध को नष्ट किया गया। अधिकारियों ने सरस डेयरी से कलाकंद, घी और दूध के सैंपल लिए। खाद्य सुरक्षा अधिकारी केशव गोयल ने बताया कि अलवर स्थित सरस डेयरी में लगातार मिलावट की शिकायतें मिली थीं।

यूपी उपचुनाव: सपा-कांग्रेस गठबंधन, सीटों का बंटवारा तय

▶▶ सपा 8 और कांग्रेस 2 सीटों पर लड़ेगी चुनाव

एजेंसी | लखनऊ

उत्तर प्रदेश की 10 विधानसभा सीटों पर होने वाले उपचुनाव में समाजवादी पार्टी (सपा) और कांग्रेस ने गठबंधन कर चुनाव लड़ने का फैसला किया है। सपा 8 सीटों पर अपने प्रत्याशी उतारेगी, जबकि कांग्रेस को 2 सीटें मिली हैं। चुनाव आयोग ने फिलहाल 9 सीटों के लिए कार्यक्रम घोषित किया है। मिल्कीपुर सीट पर कानूनी पेंच की वजह से यहां चुनाव की तारीख तय नहीं हुई है। अन्य सीटों पर 13 नवंबर को मतदान होगा।

गाजियाबाद और खैर सीट कांग्रेस के हिस्से में

सपा के मुख्य प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी ने बताया कि कांग्रेस को गाजियाबाद और खैर सीटें दी गई हैं। खैर, अलीगढ़ जिले में स्थित है। बाकी सभी सीटों पर सपा चुनाव लड़ेगी। कुंदरकी को छोड़कर अन्य सीटों पर सपा ने अपने प्रत्याशियों की घोषणा भी कर दी है।

अखिलेश और राहुल के बीच हुई चर्चा में बनी सहमति

सूत्रों के अनुसार, सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी के बीच इस गठबंधन पर अंतिम सहमति बुधवार को श्रीनगर में बनी। कांग्रेस पहले से ही गाजियाबाद और खैर सीटों की मांग कर रही थी, जिसे स्वीकार कर लिया गया है।

मीरापुर से सुंबुल राणा को सपा का टिकट

मीरापुर सीट से समाजवादी पार्टी ने सुंबुल राणा को प्रत्याशी घोषित किया है। सुंबुल राणा पूर्व सांसद कादिर राणा की पुत्रवधू हैं और बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के पूर्व सांसद मुनकाद अली की बेटी हैं।

सपा इन सीटों पर उतारेगी प्रत्याशी

सपा ने 9 अक्टूबर को करहल, सीसामऊ, फूलपुर, कटेहरी, मझवां और मिल्कीपुर सीटों पर अपने उम्मीदवारों की घोषणा की थी। कुंदरकी, मीरापुर, गाजियाबाद और खैर सीटों के लिए प्रत्याशियों का चयन बाकी था। गुरुवार शाम को सपा ने मीरापुर सीट से सुंबुल राणा की उम्मीदवारी का ऐलान कर दिया। इस गठबंधन के जरिए सपा और कांग्रेस 2024 के लोकसभा चुनाव से पहले एकजुट होकर भाजपा को चुनौती देने का प्रयास कर रहे हैं।

बोर्ड परीक्षा केंद्रों पर सीसीटीवी और वॉयस रिकॉर्डर अनिवार्य

आज़मगढ़। माध्यमिक शिक्षा परिषद ने 2024-25 की बोर्ड परीक्षाओं के लिए तैयारियां शुरू कर दी हैं और केंद्र निर्धारण के मानकों को सख्ती से लागू करने के निर्देश दिए हैं। नए नियमों के अनुसार, अब केवल उन्हीं विद्यालयों को परीक्षा केंद्र बनाया जाएगा जहां सीसीटीवी कैमरों के साथ वॉयस रिकॉर्डर भी अनिवार्य रूप से लगे होंगे। बोर्ड ने यह स्पष्ट कर दिया है कि हर विद्यालय को परीक्षा केंद्र बनने के लिए सभी मानक पूरे करने होंगे।

यूपी में अब बैक्टीरिया-फंगस की भी होगी जांच, CM योगी ने दिए कड़े निर्देश

एजेंसी | लखनऊ

लखनऊः अब यूपी में मिलावट के साथ-साथ खाद्य पदार्थों में बैक्टीरिया और फंगस की जांच भी अनिवार्य रूप से की जाएगी। इस नई पहल का उद्देश्य फूड पॉइज़निंग के कारणों की सही पहचान करना और संक्रमण को फैलने से रोकना है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के निर्देश पर यह अभियान शुरू किया जा रहा है, जिसमें मिलावटखोरों पर सख्त कार्रवाई होगी।

माइक्रोबायोलॉजिकल जांच से मिलेगी सटीक जानकारी

अब तक खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन (एफएसडीए) की प्रयोगशालाओं में केवल केमिकल जांच होती थी, जिससे बैक्टीरिया, फंगस या वायरस के कारण होने वाले संक्रमण की जानकारी नहीं मिल पाती थी। अब नवंबर से लखनऊ और मेरठ की प्रयोगशालाओं में माइक्रोबायोलॉजी जांच शुरू होगी, जबकि वाराणसी में भी इसे जल्द लागू किया जाएगा। प्रारंभिक चरण में डिब्बा बंद शिशु आहार, जंक फूड और बोतल बंद पानी के नमूनों की जांच की जाएगी। इसके बाद अन्य खाद्य पदार्थों को भी इस दायरे में लाया जाएगा।

खाद्य निरीक्षकों को मिलेगा विशेष प्रशिक्षण

डिब्बा बंद और बोतल बंद खाद्य पदार्थों की गुणवत्ता सुनिश्चित करने के लिए खाद्य निरीक्षकों को जल्द ही प्रशिक्षण दिया जाएगा। उन्हें सिखाया जाएगा कि माइक्रोबायोलॉजिकल जांच के लिए कैसे सही तरीके से नमूने एकत्रित करने हैं। यह पहल इसलिए की जा रही है क्योंकि डिब्बा बंद और जंक फूड के सेवन से स्वास्थ्य संबंधी समस्याएं बढ़ रही हैं। एफएसएसएआई (भारतीय खाद्य सुरक्षा एवं मानक प्राधिकरण) के मानकों के अनुसार कई बार नमक और फैट की मात्रा तय मानकों से अधिक पाई जाती है, जिससे उपभोक्ताओं की सेहत पर नकारात्मक असर पड़ता है।

बेटे को बचाने के लिए मां ने दिखाई अदम्य साहस, ग्रामीणों ने मार गिराया हमलावर लकड़बग्घा

मां की बहादुरी: लकड़बग्घे के जबड़े से बेटे को बचाया, खुद हो गई घायल

एजेंसी | मिर्जापुर

मिर्जापुर के हलिया थाना क्षेत्र के रामपुर पौड़ी गांव में एक दिल दहलाने वाली घटना घटी, जहां एक मां ने अपने बेटे को मौत के जबड़े से खींचकर नया जीवन दिया। घटना रात के करीब दस बजे की है, जब गांव में सन्नाटा पसरा हुआ था। अचानक एक हिंसक लकड़बग्घा चुपके से घर में घुस आया और चारपाई पर सो रहे 13 वर्षीय नवी मोहम्मद को खींचकर लगभग 150 मीटर दूर ले गया। घटना के दौरान नवी बुरी तरह घायल हो गया। पास में सो रही उसकी मां जयमुन निशा की नींद अचानक खुली और उन्होंने अपने बेटे को बचाने के लिए बिना किसी डर के लकड़बग्घे से भिड़ंत कर दी। इस संघर्ष में जानवर ने मां को भी बुरी तरह घायल कर दिया, लेकिन जयमुन निशा ने हिम्मत नहीं हारी और अपने बेटे को लकड़बग्घे से छुड़ा लिया।

ग्रामीणों की मदद से बची जान, वन विभाग ने किया हस्तक्षेप

जयमुन निशा की चीख-पुकार सुनकर ग्रामीण घटनास्थल पर पहुंचे और मिलकर लकड़बग्घे को मार गिराया। मां और बेटे, दोनों को तत्काल इलाज के लिए अस्पताल ले जाया गया। वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची और मृत लकड़बग्घे को पोस्टमार्टम के लिए ले गई। इस घटना ने मां की बहादुरी की मिसाल पेश की है। पूरे गांव में उनकी तारीफ हो रही है कि कैसे उन्होंने अपने बेटे के लिए अपनी जान दांव पर लगा दी।

शराब से मौतों पर मांझी का विवादित बयान: 13-14 करोड़ की आबादी में ऐसा होता रहता है

एजेंसी | सीवान/सारण

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री जीतनराम मांझी ने सीवान और सारण में जहरीली शराब से तीन दर्जन मौतों पर विवादित बयान देते हुए कहा, इतनी बड़ी आबादी में कुछ न कुछ होता रहता है। सीवान और सारण में जहरीली शराब से मौतों के बीच मांझी ने कहा कि बिहार सरकार इस पर तत्परता से कार्रवाई कर रही है और दोषियों को पकड़ा जा रहा है। उन्होंने कहा, आए दिन ऐसी घटनाएं होती हैं, और न केवल बिहार बल्कि अन्य जगहों पर भी ऐसी घटनाएं सामने आती हैं।

दरभंगा एयरपोर्ट के सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास 20 अक्टूबर को

एजेंसी | दरभंगा

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आगामी 20 अक्टूबर को दरभंगा एयरपोर्ट के नए सिविल एन्क्लेव का शिलान्यास किए जाने की घोषणा से जिले के लोगों में उत्साह है। नागरिक अब जल्द ही नए एयरपोर्ट से हवाई सेवाओं के शुरू होने का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

912 करोड़ की लागत से तैयार होगा अत्याधुनिक टर्मिनल

सांसद डॉ. गोपाल जी ठाकुर ने बताया कि नए टर्मिनल भवन का निर्माण 54 एकड़ क्षेत्र में किया जाएगा, जिसकी कुल लागत 912 करोड़ रुपए है। निर्माण का ठेका अहलूवालिया कॉन्ट्रैक्ट्स को दिया गया है, और यह काम दो साल में पूरा होने की उम्मीद है। विस्तारित एप्रन में 14 विमानों की पार्किंग की सुविधा होगी, जिससे एयरपोर्ट की क्षमता में भी इजाफा होगा। दरभंगा एयरपोर्ट का सिविल टर्मिनल एनएच-27 से सीधा जुड़ा रहेगा, जिससे यात्रियों को आने-जाने में ट्रैफिक की समस्या नहीं होगी। एयरपोर्ट पर आईएलएस सिस्टम (इंस्ट्रूमेंट लैंडिंग सिस्टम) भी लगाया जाएगा ताकि कुहासे या रात के समय विमानों की आवाजाही में कोई बाधा न आए। टर्मिनल के साथ अन्य संरचनाएं कुल 78 एकड़ भूमि पर विकसित की जाएंगी, जिसमें से 24 एकड़ पर नया रनवे तैयार होगा।

भीषण सड़क हादसा: भदोही में बस-ट्रेलर टक्कर, 1 की मौत, 36 घायल

बस चालक की झपकी बनी दुर्घटना का कारण, चार गंभीर घायलों को वाराणसी रेफर किया गया

एजेंसी | भदोही

यूपी रोडवेज की बस का भदोही जिले के औराई थाना क्षेत्र में दर्दनाक हादसा हो गया। वाराणसी से कानपुर जा रही इस बस की लोहे की चद्दर लदे एक ट्रेलर से भीषण टक्कर हो गई, जिसमें बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई और 36 यात्री घायल हो गए। हादसा रात के समय जीटी रोड पर तीउरी पेट्रोल पंप के पास हुआ।

हादसा तब हुआ जब बस के चालक को नींद की झपकी आ गई और बस अनियंत्रित होकर सामने चल रहे ट्रेलर में पीछे से जा भिड़ी। ट्रेलर पर लोहे की चादरें लदी थीं, जिससे बस के सामने का हिस्सा पूरी तरह चकनाचूर हो गया। बस चालक, हमीरपुर निवासी 40 वर्षीय राम विलास की मौके पर ही मृत्यु हो गई। दुर्घटना के बाद पुलिस और स्थानीय लोग तुरंत घटनास्थल पर पहुंचे और घायलों को नजदीकी अस्पताल भेजा गया। घायलों में से चार यात्रियों की हालत चिंताजनक बताई जा रही है, जिन्हें प्राथमिक उपचार के बाद वाराणसी रेफर किया गया। बाकी घायलों को औराई के सीएचसी अस्पताल में भर्ती कराया गया है। रात करीब एक बजे हुए इस हादसे की सूचना पर क्षेत्राधिकारी औराई व थाना अध्यक्ष औराई पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। बस, जिसका नंबर UP 78 JT 4784 था, बनारस से प्रयागराज की ओर जा रही थी, जब यह हादसा हुआ। ट्रेलर का नंबर RJ 02 GB 3965 है, जो दुर्घटना के समय हाईवे पर बस के आगे चल रहा था।

शेयर बाजार में बढ़ती रौनक: सेंसेक्स 218 अंक चढ़ा, निफ्टी 24,800 के पार

एजेंसी | मुंबई

देश के शेयर बाजार ने शुक्रवार, 18 अक्टूबर 2024 को कारोबारी सप्ताह के अंतिम दिन बढ़त के साथ समाप्त किया। प्रमुख सूचकांक बीएसई सेंसेक्स और एनएसई निफ्टी दोनों हरे निशान पर बंद हुए। बंबई स्टॉक एक्सचेंज के 30 शेयरों पर आधारित सेंसेक्स 218.14 अंक यानी 0.27 प्रतिशत की बढ़त के साथ 81,224.75 स्तर पर बंद हुआ। वहीं, निफ्टी 104.20 अंक यानी 0.42 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 24,854.05 के स्तर पर रहा।

शेयरों में तेजी और गिरावट का मिजाज

बाजार के अंत में करीब 1833 शेयरों में तेजी देखने को मिली, जबकि 1928 शेयरों में गिरावट आई। इस दौरान 106 शेयरों में कोई बदलाव नहीं हुआ। निफ्टी में सबसे ज्यादा लाभ कमाने वाले शेयरों में एक्सिस बैंक, विप्रो, आईसीआईसीआई बैंक, आयशर मोटर्स, और श्रीराम फाइनेंस शामिल रहे। वहीं, नुकसान उठाने वालों में इंफोसिस, ब्रिटानिया इंडस्ट्रीज, नेस्ले इंडिया, एचयूएल और एशियन पेंट्स के शेयर शामिल रहे। सेंसेक्स में 30 में से 19 शेयर हरे निशान पर रहे। टॉप गेनर्स में एक्सिस बैंक, आईसीआईसीआई बैंक, टाटा मोटर्स, एनटीपीसी, टाटा स्टील, जेएसडब्ल्यू स्टील, सनफार्मा, और एसबीआई शामिल थे।

भारतीय रुपया और बाजार की शुरुआत

शुक्रवार को भारतीय रुपया 84 .07 प्रति डॉलर पर स्थिर बंद हुआ। सुबह, रुपया मामूली गिरावट के साथ 84 .05 प्रति डॉलर पर खुला था। इससे पहले गुरुवार को रुपया 84 .02 प्रति डॉलर पर खुला था और शाम को 84 .07 प्रति डॉलर पर बंद हुआ था। सुबह के कारोबार में, बाजार गिरावट के साथ खुला था, जब सेंसेक्स 382 .14 अंक यानी 0 .47 प्रतिशत की गिरावट के साथ 80,624 .47 स्तर पर खुला।

सोना 80 हजार के करीब पहुंचा

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। त्योहारी मांग के कारण शुक्रवार को राष्ट्रीय राजधानी में सोना 550 रुपये बढ़कर 79,900 रुपये प्रति 10 ग्राम के रिकॉर्ड उच्च स्तर पर पहुंच गया। वहीं चांदी 1,000 रुपये उछलकर 94,500 रुपये प्रति किलोग्राम पर पहुंच गई। गौरतलब है कि इस साल अब तक सोना करीब 22 फीसदी और चांदी 24 फीसदी तक बढ़त हासिल कर चुकी है। वहीं नेशनल स्टॉक एक्सचेंज यानी निफ्टी ने इस साल करीब 14.8 फीसदी का रिटर्न दिया है। बाजार विशेषज्ञों ने बताया कि त्योहारी सीजन में ग्राहकों की खरीदारी बढ़ने से घरेलू बाजार में कीमती धातुओं की मांग रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गई है।

एयर इंडिया और विस्तारा का विलय 12 नवंबर को पूरा होगा

एजेंसी | नई दिल्ली

नई दिल्ली। एयर इंडिया और विस्तारा के बीच विलय की प्रक्रिया 12 नवंबर को पूरी होने जा रही है। इस दौरान एयर इंडिया ने स्पष्ट किया है कि विस्तारा के रूट्स, समय सारणी और यात्रा अनुभव भविष्य में भी जारी रहेगा। टाटा समूह के स्वामित्व वाली एयरलाइन ने बताया कि विस्तारा के विमानों से संचालित उड़ानों का कोड 'एआई2' होगा।

सिंगापुर एयरलाइंस की हिस्सेदारी और कार्यक्रम में परिवर्तन

विलय के बाद, सिंगापुर एयरलाइंस की एयर इंडिया में 25.1 प्रतिशत हिस्सेदारी हो जाएगी। विस्तारा के वर्तमान फ्रीक्वेंट फ्लायर सदस्यों को एयर इंडिया के फ्लाइंग रिटर्न्स कार्यक्रम में स्थानांतरित किया जाएगा, जो नए अवतार में 'महाराजा क्लब' के रूप में विकसित होगा। एयर इंडिया ने आश्वासन दिया है कि विस्तारा का यात्रा अनुभव, जिसमें मेनू और कटलरी जैसी सेवाएं शामिल हैं, विलय के बाद भी बरकरार रहेगा। हालांकि, कुछ यात्रियों को इस बात की चिंता है कि क्या उन्हें पहले जैसी सेवाएं मिलती रहेंगी। विस्तारा के चेयरमैन भास्कर भट ने कहा है कि एकीकृत इकाई दोनों एयरलाइनों की सर्वोत्तम प्रथाओं को साझा करेगी।

ईएसआई, आयुष्मान योजना को एक साथ लाने को मंजूरी

एजेंसी | नई दिल्ली

कर्मचारी राज्य बीमा निगम की चिकित्सा लाभ परिषद ने शुक्रवार को लाभार्थियों के लिए स्वास्थ्य सेवा पहुंच बढ़ाने को लेकर आयुष्मान भारत पीएम-जन आरोग्य योजना के साथ कर्मचारी राज्य बीमा (ईएसआई) योजना को एक साथ लाने की मंजूरी दे दी। श्रम मंत्रालय ने बयान में कहा कि दोनों योजनाओं को एकीकृत करने का फैसला कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) मुख्यालय में आयोजित चिकित्सा लाभ परिषद की 86वीं बैठक में लिया गया। बैठक की अध्यक्षता ईएसआईसी के महानिदेशक (डीजी) अशोक कुमार सिंह ने की। आयुष्मान भारत पीएम-जेएवाई दुनिया की सबसे बड़ी स्वास्थ्य बीमा योजना है। इसका उद्देश्य 12 करोड़ से अधिक गरीब परिवारों (लगभग 55 करोड़ लाभार्थी) को प्रति वर्ष पांच लाख रुपये का स्वास्थ्य बीमा प्रदान करना है। परिषद ने राज्यों के लिए साझा सहायता मिशन के क्रियान्वयन को भी मंजूरी दी। सीएसएम का उद्देश्य बीमित व्यक्ति केंद्रित दृष्टिकोण पर ध्यान केंद्रित करते हुए राज्यों में ईएसआई की चिकित्सा सेवा वितरण प्रणाली में सुधार और मजबूती लाना है। इसके अलावा, परिषद ने लाभार्थियों के लिए वार्षिक निवारक स्वास्थ्य जांच और जागरूकता शिविर शुरू करने को मंजूरी दी, ताकि जीवनशैली विकारों के शीघ्र निदान और बीमित व्यक्तियों/महिलाओं/ट्रांसजेंडरों में पोषण संबंधी कमियों का पता लगाने पर ध्यान केंद्रित किया जा सके।

टाटा केमिकल्स के शेयरों में गिरावट: कमजोर तिमाही का असर

एजेंसी | नई दिल्ली

टाटा ग्रुप की कंपनी टाटा केमिकल्स के शेयरों में आज गिरावट देखी गई, जहां कंपनी के शेयर 3 प्रतिशत तक लुढ़क गए। विश्लेषकों का मानना है कि इस गिरावट के पीछे कमजोर तिमाही परिणाम हैं। हालांकि, दिन के मध्य में कुछ सुधार भी देखने को मिला। कंपनी का नेट प्रॉफिट सितंबर 2024 को समाप्त दूसरी तिमाही में 54.67 प्रतिशत घटकर 194 करोड़ रुपये रह गया, जो पिछले वित्त वर्ष की इसी तिमाही में 428 करोड़ रुपए था। जबकि

ऑपरेटिंग रेवन्यू समीक्षाधीन तिमाही में स्थिर रहा, जो 3,999 करोड़ रुपए पर था। बीएसई पर आज टाटा केमिकल्स के शेयर 1055 रुपए पर खुले और बाद में 3 प्रतिशत की गिरावट के साथ 1039 रुपये तक गिर गए। फिर भी, दिन के दौरान शेयरों ने 1079.70 रुपए का इंट्रा-डे हाई भी छुआ। कंपनी के प्रबंध निदेशक और CEO आर मुकुंदन ने बताया कि भारत में सोडा ऐश की मांग स्थिर रही, जबकि अमेरिका और यूरोप में कुछ क्षेत्रों में मांग में कमी आई। जुलाई और अगस्त में हुई भारी बारिश ने मीठापुर के परिचालन को प्रभावित किया, जिससे उत्पादन में कमी आई। इसके बावजूद, उन्होंने कहा कि सोडा ऐश की अधिक प्राप्ति और बिक्री मात्रा के कारण कुल प्रदर्शन बेहतर रहा।

श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में तेजी, स्टॉक स्प्लिट की तैयारी

एजेंसी | नई दिल्ली

नॉन-बैंकिंग फाइनेंस कंपनी श्रीराम फाइनेंस लिमिटेड के शेयरों में 3 प्रतिशत से अधिक की वृद्धि हुई है, और यह 3373.35 रुपए पर पहुंच गए हैं। कंपनी ने शेयरों के बंटवारे (स्टॉक स्प्लिट) की योजना बनाई है और इसके लिए 25 अक्टूबर 2024 को बोर्ड की बैठक

आयोजित की जाएगी, जहां शेयर स्प्लिट और सितंबर 2024 तिमाही के वित्तीय नतीजों पर विचार किया जाएगा। इसके साथ ही, कंपनी अंतरिम डिविडेंड भी घोषित करेगी।

अतीत में शेयरों की अद्भुत वृद्धि

श्रीराम फाइनेंस के शेयरों में पिछले 20 साल में 11200 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज की गई है। 21 अक्टूबर 2004 को कंपनी के शेयर 29 .77 रुपए पर थे, जबकि 18 अक्टूबर 2024 को यह 3373 .35 रुपए तक पहुंच गए हैं। पिछले 5 साल में भी शेयरों में 215 प्रतिशत की वृद्धि देखने को मिली है।

हॉकी

भारतीय जूनियर टीम सुल्तान जोहोर कप में जीत के साथ करना चाहेगी शुरुआत, कप्तान अली और गुरजोत का अनुभव आएगा टीम के काम

कोच श्रीजेश का जापान के खिलाफ होगा पहला बड़ा इम्तिहान

- 2 शीर्ष टीमें टूर्नामेंट की फाइनल खेलेंगी जो 26 अक्तूबर को खेला जाएगा
- 3 बार (2013, 2014, 2022) में खिताब जीत चुकी है भारतीय टीम। ब्रिटेन ने भी तीन बार ट्रॉफी जीती है।
- 7 बार फाइनल में पहुंची टीम और चार बार उपविजेता रही। पिछली बार तीसरे स्थान पर रही थी

एजेंसी । जोहोर

दो बार के ओलंपिक पदक विजेता दिग्गज पीआर श्रीजेश कोच के रूप में अपनी पहली बड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं। जूनियर पुरुष हॉकी कोच के रूप में उनकी पहली परीक्षा शनिवार को जापान के खिलाफ होगी। जब अंडर-21 टीम 12वें सुल्तान जोहोर कप में अपने अभियान का आगाज करेगी। श्रीजेश जीत के साथ अपनी नई पारी शुरू करना चाहेंगे। इस पूर्व गोलकीपर ने पेरिस ओलंपिक के बाद खेल संन्यास ले लिया था।

ये हैं छह टीमें

भारत, ऑस्ट्रेलिया, ब्रिटेन, मलेशिया, जापान, न्यूजीलैंड

"टीम नए मुख्य कोच पीआर श्रीजेश के नेतृत्व में अच्छी ट्रेनिंग कर रही है। हम उनके साथ अपना पहला टूर्नामेंट खेलने के लिए उत्साहित हैं। पिछली बार जर्मनी से हारने के बाद, हम अपने खिताब का बचाव नहीं कर सके थे। इस बार हमारी तैयारी अच्छी है। हम प्रतियोगिता में किसी भी टीम से मुकाबला करने के लिए तैयार हैं।"

आमिर अली, भारतीय कप्तान

जीत की हैट्रिक पर निगाह

टीम में कप्तान आमिर अली और गुरजोत सिंह हाल ही में एशियाई चैंपियंस ट्रॉफी जीतने वाली सीनियर टीम का हिस्सा थे। इनका अनुभव टीम के काम आएगा। भारत ने मई 2023 में जूनियर एशिया कप में अपने आखिरी मुकाबले में जापान पर 3-1 से जीत हासिल की थी। वहीं 2022 में इसी टूर्नामेंट में भी इस प्रतिद्वंद्वी को 5-1 से पटकनी दी थी। टीम जीत की हैट्रिक लगाने को बेताब होगी। टीम के सभी खिलाड़ी लंबे से समय से एक साथ है।

कड़ा अभ्यास आएगा काम

भारतीय उपकप्तान रोहित ने कहा, हम सुल्तान जोहोर कप से पहले सर्वश्रेष्ठ स्थिति में पहुंचने के लिए पिछले कुछ दिनों से कड़ा अभ्यास कर रहे हैं। इस बार टीम में कई नए खिलाड़ी हैं जो मैदान पर अपनी क्षमता दिखाने के लिए उत्साहित हैं। सभी खिलाड़ी अपने खेल में सुधार के साथ एक-दूसरे को प्रोत्साहित कर रहे हैं।

बेंगलुरु टेस्ट में भारत पर खतरा

विराट कोहली आउट, न्यूजीलैंड की लीड से 125 रन पीछे

एजेंसी । बेंगलुरु

भारत और न्यूजीलैंड के बीच 3 टेस्ट की सीरीज का पहला मुकाबला बेंगलुरु के एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में खेला जा रहा। मैच के तीसरे दिन भारत ने अपनी दूसरी पारी में 3 विकेट खोकर 231 रन बनाए हैं। विराट कोहली दिन की आखिरी बॉल पर आउट हो गए। उन्होंने 70 रन बनाए। सरफराज खान 70 रन बनाकर नाबाद हैं। भारत की पारी की शुरुआत में रोहित शर्मा ने अर्धशतक ठोका तो यशस्वी जायसवाल 35 रन बनाकर आउट हो गए। इससे पहले, न्यूजीलैंड ने अपनी पहली पारी में 402 रन बनाए। रचिन रवींद्र ने शतक ठोका तो टिम साउदी ने अर्धशतक जमाया। न्यूजीलैंड ने भारत को पहली पारी में 46 रन पर ढेर किया था। इस तरह न्यूजीलैंड ने पहली पारी के आधार पर 356 रन की लीड हासिल की। भारत की तरफ से रवींद्र जडेजा और कुलदीप यादव ने 3-3 विकेट लिए।

जडेजा ने मैच में वापसी कराई

न्यूजीलैंड ने तीसरे दिन 180/3 रन के स्कोर से आगे खेलना शुरू किया और पहला झटका 193 रन के स्कोर पर लगा। मोहम्मद सिराज ने डेरिल मिचेल को आउट किया। मिचेल 18 रन बनाकर आउट हुए। इसके बाद जसप्रीत बुमराह ने टॉम ब्लंडेल को केएल राहुल के हाथ कैच आउट कराया। इसके बाद जडेजा ने ग्लेन फिलिप्स और मैट हेनरी को जल्दी-जल्दी आउट कर भारत की मैच में वापसी कराई। हालांकि, रचिन रवींद्र एक छोर पर डटे रहे और अपना अर्धशतक पूरा कर लिया।

बारिश में धुला था पहले दिन का खेल

बैंगलुरू टेस्ट के पहले दिन का खेल बारिश में धुल गया था। दूसरे दिन गुरुवार को टॉस जीतकर रोहित शर्मा ने पहले बल्लेबाजी का फैसला लिया। भारत के लिए ये फैसला भारी पड़ा। 10 रन के भीतर ही भारत के तीन विकेट गिर चुके थे। ओवरकास्ट कंडीशंस और बादलों की वजह से गेंद काफी स्विंग हो रही थी। विलियम ओ' राउरके और मैट हेनरी ने भारतीय बल्लेबाजी की कमर तोड़ दी और लंच तक भारत ने 6 विकेट गंवा दिए थे। इसके बाद बाकी बचे 4 बैटर भी जल्दी आउट हो गए। भारत की पूरी टीम 46 रन पर ढेर हो गई। विराट कोहली समेत 5 बैटर खाता भी नहीं खोल पाए।

पाक ने तीन साल बाद घर में जीता टेस्ट

- इंग्लैंड को 152 रन से हराकर सीरीज एक-एक से बराबर की
- 20 विकेट इंग्लैंड के सभी दोनों स्पिनरों अली और साजिद ने चटकाए

एजेंसी । मुल्तान

नोमान अली (46/8) और साजिद खान (93/2) की फिरकी में फंसकर इंग्लैंड दूसरी पारी शुक्रवार को 144 रन पर सिमट गई। पाकिस्तान ने 152 रन की बड़ी जीत दर्ज कर तीन मैचों की सीरीज 1-1 से बराबर कर ली। सीरीज का तीसरा और निर्णायक मैच अगले गुरुवार से रावलपिंडी में खेला जाएगा। पाकिस्तान ने तीन साल बाद घर में कोई टेस्ट जीता। पिछली जीत फरवरी 2021 में दक्षिण अफ्रीका पर दर्ज की थी। इसके बाद उसने पिछले 11 मैच से सात हारे और चार ड्रॉ खेले थे। अली ने मैच में 11 और खान ने नौ विकेट लिए। इस तरह से इंग्लैंड के सभी 20 विकेट दोनों स्पिनरों के खाते में गए।

स्टोक्स स्टंप आउट

इंग्लैंड ने सुबह दो विकेट पर 36 रन से आगे खेलना शुरू किया लेकिन उसके बल्लेबाज टर्न लेती पिच पर असहाय नजर आए। साजिद ने दिन की अपनी दूसरी गेंद पर ही ओली पोप (22) को आउट कर दिया। इसके बाद नोमान ने बाकी बचे सात विकेट हासिल करके पाकिस्तान को यादगार जीत दिलाई। हैमस्ट्रिंग की चोट से उबरने के बाद टीम की कमान संभालने वाले कप्तान बेन स्टोक्स (37) ने अजीबोगरीब अंदाज में आउट हुए। साजिद पर लंबा शॉट खेलने के इरादे से आगे बढ़कर खेलने वाले स्टोक्स के हाथ से बल्ला छूटकर बैकवर्ड स्क्वायर लेग की ओर चला गया और वह स्टंप आउट हो गए।

छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को हराकर फाइनल में पहुंचा दक्षिण अफ्रीका

- बॉश की अर्धशतकीय पारी

एजेंसी । दुबई

एनेके बॉश और कप्तान लॉरा वोलवार्ट की शानदार पारियों के दम पर दक्षिण अफ्रीका ने छह बार की चैंपियन ऑस्ट्रेलिया को आठ विकेट से हराकर महिला टी20 विश्व कप के फाइनल में प्रवेश किया। पहले बल्लेबाजी करते हुए ऑस्ट्रेलिया ने 20 ओवर में पांच विकेट पर 134 रन बनाए थे। जवाब में दक्षिण अफ्रीका ने बॉश की नाबाद अर्धशतकीय पारी के दम पर 17.2 ओवर में दो विकेट पर 135 रन बनाकर लक्ष्य प्राप्त कर लिया। अब रविवार को दक्षिण अफ्रीका का सामना न्यूजीलैंड और वेस्टइंडीज के बीच होने वाले दूसरे सेमीफाइनल की विजेता से होगा।

ऑस्ट्रेलिया का सफर सेमीफाइनल में समाप्त

खिताब की प्रबल दावेदार मानी जा रही ऑस्ट्रेलिया का सफर सेमीफाइनल में समाप्त हो गया। ऑस्ट्रेलियाई टीम ग्रुप चरण में अजेय रही थी और अपने सभी मुकाबले जीतकर सेमीफाइनल में पहुंची थी। कागजों में ऑस्ट्रेलिया का पलड़ा काफी भारी माना जा रहा था क्योंकि इससे पहले सात टी20 विश्व कप में से ऑस्ट्रेलिया ने छह बार खिताब जीता था और एक बार फाइनल में उसे हार मिली थी।

वाचिएर-लाग्रेव को हराकर एरिगैसी ने डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स का खिताब जीता

एजेंसी । लंदन

भारतीय ग्रैंडमास्टर अर्जुन एरिगैसी ने डब्ल्यूआर शतरंज मास्टर्स के फाइनल में फ्रांस के मैक्सिम वाचियर-लाग्रेव को हराकर खिताब अपने नाम किया।एरिगैसी ने क्लासिक शतरंज में दो ड्रॉ मुकाबलों के बाद 'आर्मागेडन गेम' में फ्रांस के खिलाड़ी को पछाड़ा। एरिगैसी ने पूरे टूर्नामेंट के दौरान लय बरकरार रखते हुए शानदार खेल दिखाया। उन्होंने इस जीत से पुरस्कार के तौर पर 20000 यूरो (लगभग 18.23 लाख रुपये) हासिल किये।

एरिगैसी 2800 ईएलओ रेटिंग हासिल करने के करीब

सोलह खिलाड़ियों के टूर्नामेंट के शुरुआती मैच में एरिगैसी ने इंग्लैंड की नौ साल खिलाड़ी शिवानंदा बोधाना को शिकस्त दी। शिवानंदा हाल ही शतरंज ओलंपियाड का हिस्सा बनने वाली सबसे कम उम्र की खिलाड़ी बनीं थी।

सनी देओल की 'जट्ट' को मिली रिलीज तारीख

सनी देओल को पिछली बार फिल्म 'गदर 2' में देखा गया था, जिसमें उनके काम को सराहा गया। यह फिल्म 2023 की सुपरहिट फिल्मों में से एक है। फिलहाल सनी के हाथ में कई फिल्में हैं, जिनमें एक नाम गोपीचंद मालिनेनी के निर्देशन में बन रही फिल्म 'जट्ट' भी शामिल है। फिल्म की शूटिंग पहले ही शुरू हो चुकी है। अब खबर आ रही है कि 'जट्ट' अगले साल गणतंत्र दिवस के मौके पर सिनेमाघरों में रिलीज हो सकती है।

सैयामी खेर भी हैं इस फिल्म का हिस्सा

'जट्ट' को इस फिल्म को देश की सबसे बड़ी एक्शन फिल्म बताया जा रहा है। सनी का फिल्म में बेहद अलग अवतार देखने को मिलेगा। इसमें वह जबरदस्त एक्शन करते नजर आएंगे। सनी के अलावा रेजिना कैसांड्रा और सैयामी खेर भी फिल्म में अपनी अदाकारी का तड़का लगाती हुई नजर आएंगी। सनी और गोपीचंद ने इस फिल्म के लिए 'पुष्पा' के निर्माताओं के साथ हाथ मिलाया है। 'जट्ट' और 'लाहौर 1947' के अलावा सनी फिल्म 'बॉर्डर 2' में नजर आएंगे।

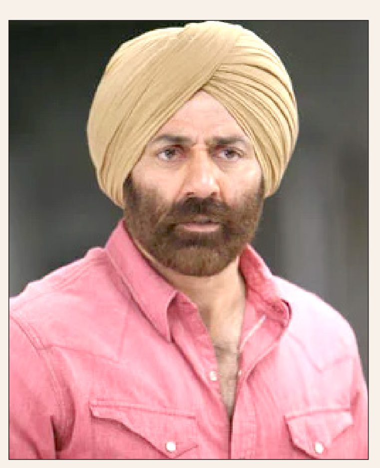

'लाहौर 1947' की रिलीज तारीख आगे खिसकी

एक रिपोर्ट के मुताबिक, 'जट्ट' के निर्माता फिल्म को अगले साल गणतंत्र दिवस के खास मौके पर यानी 26 जनवरी, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज करने की योजना बना रहे हैं। इससे पहले खबर आई थी कि सनी की आगामी फिल्म 'लाहौर 1947' अगले साल गणतंत्र दिवस पर रिलीज होने वाली थी, लेकिन अब निर्माताओं ने फिल्म की रिलीज तारीख को टाल दिया है। फिलहाल इस खबर की आधिकारिक पुष्टि होना बाकी है।

कश्मीर पहुंचीं आलिया भट्ट

आलिया भट्ट अभिनीत और यशराज फिल्म्स की स्पाई यूनिवर्स की आगामी फिल्म 'अल्फा' बॉलीवुड की बहुप्रतीक्षित फिल्मों में से एक है। आलिया भट्ट इस एक्शन थ्रिलर में शरवरी के साथ मुख्य भूमिका में हैं। दोनों अभिनेत्रियां पिछले कुछ महीनों से इसकी शूटिंग कर रही हैं। हाल ही में फिल्म का नया शेड्यूल जारी हुआ और अभिनेत्री एक बार फिर कश्मीर लौटी हैं। कश्मीर से अभिनेत्री की कुछ अनदेखी तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में आलिया अपनी प्राकृतिक सुंदरता बिखेरती हुई नजर आ रही हैं। 18 अक्टूबर, 2024 को, कश्मीर में आलिया भट्ट की मेजबानी करने वाले होटल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम अकाउंट पर अभिनेत्री की शानदार तस्वीरें साझा कीं। तस्वीरों में आलिया नेवी ब्लू पैंट के साथ एक सफेद कार्डिगन पहने हुए दिखाई दे रही थीं, जिसके साथ उन्होंने गले में एक सफेद मफलर पहना हुआ था। उन्होंने बिना मेकअप के लुक अपनाया और एक हाथ में हैंडबैग पकड़े हुए अपने बालों को बन में स्टाइल किया है। तस्वीर में एक और व्यक्ति उन्हें एक एंटीक चीज भेंट करते हुए दिखाई दे रहा है। पोस्ट के कैप्शन में लिखा गया है, 'आलिया भट्ट, आपकी मेजबानी करना खुशी की बात थी!

पद्मश्री कैलाश खेर को मिला न्यूयॉर्क स्टेट असेंबली सम्मान

पद्मश्री कैलाश खेर भारत की समृद्ध संस्कृति और विरासत को दुनिया के हर कोने में ले जाने के लिए जाने जाते हैं। अब उन्होंने हाल ही में अपने बैंड कैलासा के साथ मिलकर बेहद सफल भारतोत्सव 2024 यूएसए टूर की शुरुआत की। इस टूर ने न केवल संयुक्त राज्य अमेरिका के दर्शकों को मंत्रमुग्ध किया है, बल्कि वैश्विक मंच पर भारतीय संगीत की आध्यात्मिक, लोक और सांस्कृतिक गहराई को भी उजागर किया है।

भारतोत्सव यात्रा की शुरुआत सिएटल में गणेश उत्सव के भव्य विशेष कार्यक्रम से हुई, जहां कैलाश खेर के शानदार प्रदर्शन ने सांस्कृतिक रूप से डूब जाने वाले अनुभव की शुरुआत की। यह यात्रा शिकागो में जारी रही, जहां उन्होंने और कैलासा ने स्वदेशी कला मेले में भारत के लोक संगीत, कला और हस्तशिल्प को व्यापक और व्यस्त दर्शकों के बीच पहुंचाया। भारत के सांस्कृतिक राजदूतों के रूप में उन्होंने भारत की कलात्मक विरासत के महत्व को मजबूत किया। इसके बाद यह टूर न्यू जर्सी में एक नवरात्रि समारोह के लिए चला गया, जहां दर्शकों को भक्ति और ऊर्जावान प्रदर्शनों से मंत्रमुग्ध कर दिया गया। बोस्टन में दिवाली से पहले का संगीत कार्यक्रम विशेष रूप से महत्वपूर्ण था, जो प्रधानमंत्री द्वारा बोस्टन में एक नए भारतीय वाणिज्य दूतावास की घोषणा के साथ जुड़ा हुआ था। यह कार्यक्रम भारत और शहर के बीच बढ़ते संबंधों का प्रतीक था, जिसने इसे भारतीय संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए एक महत्वपूर्ण स्थल बना दिया।

'ड्यूनः प्रोफेसी' का ट्रेलर जारी

पिछले काफी समय से अभिनेत्री तब्बू लोकप्रिय हॉलीवुड टीवी सीरीज 'ड्यूनः प्रोफेसी' को लेकर सुर्खियां बटोर रही हैं। इस सीरीज में वह सिस्टर फ्रांसेस्का की भूमिका में नजर आएंगी। यह किरदार बेहद बुद्धिमान, तेज-तर्रार, खूबसूरत और साहसी महिला का है। अब निर्माताओं ने 'ड्यून प्रोफेसी' का ट्रेलर जारी कर दिया है, जिसमें तब्बू का दमदार अवतार दिख रहा है। इसके साथ वेब सीरीज की रिलीज तारीख से भी पर्दा उठ गया है।

भारत में कब और कहां देख सकेंगे 'ड्यून : प्रोफेसी'?

अमेरिका में 'ड्यून : प्रोफेसी' का प्रीमियर 17 नवंबर, 2024 को मैक्स पर होने जा रहा है, वहीं भारत में आप इस वेब सीरीज को 18 नवंबर, 2024 से जियो सिनेमा पर देख सकते हैं। इसमें कुल 6 एपिसोड होंगे। यह सीरीज हिंदी के साथ अंग्रेजी, तमिल, तेलुगु, कन्नड़, बंगाली और मराठी भाषाओं में उपलब्ध होगी। बता दें कि इससे पहले तब्बू 'लाइफ ऑफ पाई', 'द नेमसेक' और 'ए सूटेबल बॉय' जैसी विदेशी प्रोजेक्ट का हिस्सा रह चुकी हैं।

'हाउसफुल 5' की शूटिंग खत्म कर मुंबई लौटे अक्षय कुमार

बॉलीवुड के खिलाडी अक्षय कुमार इन दिनों अपनी आगामी फिल्म सिंघम अगेन' को लेकर चर्चा में चल रहे हैं। इन सब के बीच हाल ही में, 'हाउसफुल 5' की टीम एक क्रूज पर शूटिंग कर रही थी, जिसके कुछ क्लिप सोशल मीडिया पर भी वायरल हुए थे। अक्षय कुमार 'हाउसफुल 5' की लंबी शूटिंग के बाद मुंबई वापस आ गए है, जिसका वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि, इन सब के बीच अभिनेता को एयरपोर्ट पर कुछ ऐसा मिला, जिसे देख वह हैरान हो गए थे।

किसने भटकाया एयरपोर्ट पर अक्षय का ध्यान?

अक्षय कुमार अपनी आगामी फिल्म 'हाउसफुल 5' की शूटिंग के बाद एयरपोर्ट पार्किंग में देखा गया। अक्षय ने एयरपोर्ट पर एक नए तरीके के कैमरे को देखा, जिसने उनको हैरान कर दिया। कैमरे में वीडियो रिकॉर्डिंग के लिए एक साथ कई फोन इस्तेमाल किए जाने के तरीके को देख वह काफी हैरान रह गए थे। कैमरे को हाथ में लेकर देखने के बाद, अक्षय ने फोटोग्राफरों की ओर देखकर स्माइल किया। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। जैसे ही वीडियो पोस्ट किया गया, प्रशंसकों ने इस पर प्रतिक्रिया देना शुरू किया, एक यूजर ने लिखा, 'हमारा खिलाड़ी। दूसरे यूजर ने लिखा, 'अक्षय बहुत ही डैशिंग लग रहे हैं। एक और प्रशंसक ने कहा, 'कमाल है यार।

छह हिस्सों में बंटी महाराष्ट्र की सियासी जंग

विश्लेषण

राजा आदाटे

2014 के विधानसभा चुनाव में, प्रमुख चार पार्टियों - भारतीय जनता पार्टी (BJP), कांग्रेस, शिवसेना (विभाजन से पहले) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) - ने अलग-अलग चुनाव लड़ा, जिससे त्रिशंकु विधानसभा बनी और बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। बीजेपी ने 122 सीटें जीतीं, शिवसेना को 63, कांग्रेस को 42 और एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। 15 साल के कांग्रेस-एनसीपी शासन के बाद सत्ता विरोधी लहर भी प्रमुख कारण रही।

महाराष्ट्र में चुनाव की तारीखों का ऐलान होते ही महा विकास अघाड़ी (MVA) और महायुति (NDA) गठबंधन सीटों के बंटवारे की चुनौती से जूझ रहे हैं। जम्मू-कश्मीर, हरियाणा और झारखंड से बड़े इस राज्य की कुल 48 लोकसभा सीटें हैं, जो देश में दूसरी सबसे ज्यादा हैं। यह राज्य छह अलग-अलग क्षेत्रों में बंटा हुआ है, जहां की जनसांख्यिकी, राजनीतिक समीकरण और मुद्दे भिन्न-भिन्न हैं, जो इस चुनाव को एक नहीं बल्कि छह चुनाव बनाते हैं।

महाराष्ट्र के छह क्षेत्र हैं

विदर्भ (62 सीटें), मराठवाड़ा (46 सीटें), पश्चिमी महाराष्ट्र (70 सीटें), ठाणे-कोंकण (39 सीटें), मुंबई (36 सीटें), और उत्तर महाराष्ट्र (35 सीटें) महाराष्ट्र के छह क्षेत्र हैं। यहां कोई भी पार्टी पूरे राज्य में प्रभावी नहीं है, और पिछले 40 सालों में कोई भी पार्टी अकेले दम पर बहुमत हासिल नहीं कर पाई है।

2014 के चुनाव : कोई गठबंधन नहीं

2014 के विधानसभा चुनाव में, प्रमुख चार पार्टियों - भारतीय जनता पार्टी (BJP), कांग्रेस, शिवसेना (विभाजन से पहले) और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (NCP) - ने अलग-अलग चुनाव लड़ा, जिससे त्रिशंकु विधानसभा बनी और बीजेपी सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी। बीजेपी ने 122 सीटें जीतीं, शिवसेना को 63, कांग्रेस को 42 और एनसीपी को 41 सीटें मिलीं। 15 साल के कांग्रेस-एनसीपी शासन के बाद सत्ता विरोधी लहर भी प्रमुख कारण रही। हालांकि बीजेपी और शिवसेना ने चुनाव के बाद गठबंधन कर सरकार बनाई, लेकिन चुनाव के दौरान तीन क्षेत्रों में बीजेपी-शिवसेना के बीच सीधा मुकाबला था: ठाणे-कोंकण, मुंबई, और मराठवाड़ा। विदर्भ और उत्तर महाराष्ट्र में बीजेपी का मुकाबला कांग्रेस से था, जबकि पश्चिमी महाराष्ट्र में बीजेपी-एनसीपी के बीच जंग थी।

2019 का चुनाव : परंपरागत NDA बनाम UPA लड़ाई

2019 के चुनाव में बीजेपी और शिवसेना ने NDA के तहत एक साथ चुनाव लड़ा और कांग्रेस-एनसीपी गठबंधन (UPA) से मुकाबला किया। NDA ने 161 सीटें (BJP 105, शिवसेना 56) जीतीं, जबकि UPA ने 98 सीटें (कांग्रेस 44, एनसीपी 54) जीतीं। चुनावी बढ़त के बावजूद, पश्चिमी महाराष्ट्र में एनसीपी का जोरदार अभियान कामयाब रहा और यहां एनडीए पिछड़ गया। 2019 में बीजेपी ने कई क्षेत्रों में पिछली बार के मुकाबले कम सीटें जीतीं, खासकर विदर्भ में जहां किसान आत्महत्याएं और कृषि संकट बड़े मुद्दे बने।

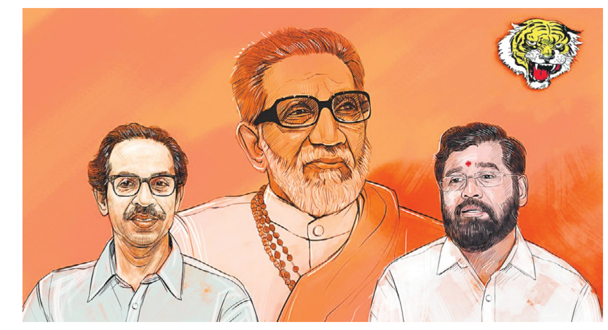

2024 का चुनाव : असली बनाम नकली

2024 के लोकसभा चुनावों में, महा विकास अघाड़ी ने महायुति के खिलाफ बेहतर प्रदर्शन किया और 30-17 सीटों से जीत दर्ज की। विधानसभा सीटों के आंकड़ों में भी एमवीए 153 सीटों पर आगे रही, जबकि महायुति 126 सीटों पर बढ़त बना पाई। विभिन्न क्षेत्रों में, बीजेपी ने उत्तर महाराष्ट्र में बढ़त बनाई, जबकि कांग्रेस ने विदर्भ और मराठवाड़ा में बेहतर प्रदर्शन किया। शिवसेना (उद्धव) ने मुंबई और एनसीपी (शरद पवार) ने पश्चिमी महाराष्ट्र में प्रभाव बनाए रखा।

विदर्भ में बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना

विदर्भ में इस बार भी बीजेपी और कांग्रेस के बीच सीधा मुकाबला होने की संभावना है। कृषि संकट और किसानों की आत्महत्याएं प्रमुख मुद्दे बने रहेंगे। मराठवाड़ा में कांग्रेस और शिवसेना (उद्धव) बनाम बीजेपी और शिवसेना (शिंदे) के बीच टक्कर देखने को मिलेगी। उत्तर महाराष्ट्र में बीजेपी का प्रभाव मजबूत बना हुआ है। पश्चिमी महाराष्ट्र में एनसीपी (अजित पवार) और बीजेपी बनाम कांग्रेस और एनसीपी (शरद पवार) के बीच संघर्ष रहेगा। ठाणे-कोंकण में शिवसेना (शिंदे) की पकड़ मजबूत मानी जा रही है। महा विकास अघाड़ी के 2024 के मजबूत प्रदर्शन के बावजूद, राजनीतिक विश्लेषक कोई भी भविष्यवाणी करने से बच रहे हैं, क्योंकि हरियाणा और जम्मू-कश्मीर के चुनावी नतीजों ने सभी को चौंका दिया था।

रणनीति

महाराष्ट्र में 31 सीटों का तिलिस्म

NDA और INDIA गठबंधनों का टिका है इस पर दारोमदार

रणनीति

धीरज सिंह

हाल ही में हुए लोकसभा चुनावों में महाराष्ट्र की 48 लोकसभा सीटों में से विपक्षी महाविकास अघाड़ी (MVA) ने 30 सीटें जीती थीं, जबकि सत्तारूढ़ महायुति गठबंधन यानी NDA ने 17 और एक सीट निर्दलीय ने जीती थी। राज्य में कुल 288 विधानसभा सीटें हैं। लोकसभा चुनावों के आंकड़ों का विश्लेषण करने से पता चलता है कि 31 विधानसभा सीटों में हार-जीत का अंतर 5000 से कम वोट रहे हैं। इनमें से 16 विधानसभा सीटों में महाविकास अघाड़ी के उम्मीदवार आगे थे तो 15 असेंबली इलाकों में सत्ताधारी महायुति के उम्मीदवार आगे थे।

चुनावी आंकड़ों और वोटिंग डेटा के विश्लेषण से यह बात भी सामने आती है कि सभी 288 विधानसभा क्षेत्रों में से 158 में MVA के उम्मीदवारों ने बढ़त बनाई थी, जबकि 145 विधानसभा क्षेत्रों में महायुति के उम्मीदवारों ने लीड ली थी। दोनों गठबंधनों के बीच 33 सीटों का अंतर है। जिन विधानसभा इलाकों में 5000 से कम वोट के मार्जिन से उम्मीदवारों ने लीड ली थी, उनमें अंधेरी वेस्ट, मलाड, पश्चिम मुंबई, पालघर के दहानू और बीड के माजलगांव भी शामिल हैं।

31 पर टिका दारोमदार

यानि ये 31 सीटें ऐसी हैं जिनके परिणाम हल्के से सियासी बयार से बदल सकते हैं।

हालांकि लोकसभा और विधानसभा चुनावों में मतदान पैटर्न और चुनावी मुद्दे अलग-अलग होते हैं। बावजूद इसके ये आंकड़े इस बात की ओर इशारा करते हैं कि राज्य में दोनों गठबंधनों के बीच मुकाबला कांटे का है। चूंकि ये चुनाव छह महीने के अंदर हुए हैं और राज्य की राजनीतिक परिस्थितियां कमोबेश वही हैं, इसलिए माना जा रहा है कि 5000 से कम वोट मार्जिन वाली 31 असेंबली सीटों पर ही दोनों गठबंधनों की सत्ता में वापसी का दारोमदार टिका है। इन 31 सीटों पर जिस भी गठबंधन की हवा चली और उसके पक्ष में गए, वह सत्ता में वापसी कर सकता है।

कहां-कहां पिछड़ी महायुति?

इंडियन एक्सप्रेस की एक रिपोर्ट के मुताबिक, इन 31 सीटों का विवरण देखें तो इनमें से भाजपा ने 9, शिवसेना ने 5 और एनसीपी ने एक सीट पर लीड की है, जबकि विपक्षी खेमे की तरफ से कांग्रेस ने 8, शरद पवार की एनसीपी ने 2 और उद्धव ठाकरे की शिवसेना ने 6 सीटों पर लीड की है। सबसे ज्यादा बीजेपी 11 सीटों पर पीछे रही है। पश्चिमी महाराष्ट्र, विदर्भ और मराठवाड़ा क्षेत्र में महायुति पिछड़ी है। पश्चिमी महाराष्ट्र में महायुति ने 70 में से 30 सीटों पर लीड ली है, जबकि विदर्भ में 62 सीटों में से सिर्फ 19 और मराठवाड़ा इलाके की 46 सीटों में से सिर्फ 11 पर लीड ली है। उत्तरी महाराष्ट्र, ठाणे और कोंकण इलाकों में महायुति का प्रदर्शन बेहतर रहा है। लोकसभा जैसे ही वोटिंग पैटर्न अगर विधानसभा चुनावों में दोहराए गए तो सत्ताधारी गठबंधन को मुश्किल हो सकती है। 2022 और 2023 में शिवसेना और राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) में विभाजन के बाद राज्य का राजनीतिक परिदृश्य बदल चुका है। विपक्षी एमवीए में कांग्रेस, शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) और एनसीपी (शरदचंद्र पवार) शामिल हैं जबकि सत्तारुढ़ महायुति में भाजपा के साथ एकनाथ शिंदे की शिवसेना और अजित पवार की एनसीपी है।

विधानसभा जानें

पिछले चुनाव में आदित्य ठाकरे ने दर्ज की थी जोरदार जीत

अब समीकरण कुछ बदले-बदले है

मुंबईः महाराष्ट्र में होने वाले विधानसभा चुनाव का ऐलान हो चुका है, जिसके तहत 20 नवंबर को पूरे प्रदेश में एक ही चरण में मतदान होगा तो वहीं 23 नवंबर को चुनाव के नतीजे भी आ जाएंगे। ऐसे में प्रदेश के सभी सक्रिय राजनीतिक दल चुनावी तैयारी में जुट गए हैं और जोर-आजमाइश करने लगे हैं। 23 नवंबर को यह स्पष्ट हो जाएगा की वर्ली विधानसभा की जनता ने इतिहास दोहराया है या फिर इतिहास बनाया है। वर्ली विधानसभा सीट मुंबई के अंतर्गत आती है और यहां से शिवसेना के विधायक आदित्य ठाकरे हैं जो कि दिवंगत बालासाहेब ठाकरे के पोते और शिवसेना यूबीटी प्रमुख उद्धव ठाकरे के बेटे हैं।

चार बार शिवसेना के कब्जे में

आदित्य ने बीते 2019 के विधानसभा चुनाव में रिकॉर्ड वोटो से जीत दर्ज की थी, इतना ही नहीं वर्ली सीट लगातार चार बार शिवसेना के कब्जे में रही है। अब तक यहां हुए छह प्रमुख चुनाव में कांग्रेस और एनसीपी को एक-एक बार मौका मिला है। लेकिन इस बार वोटिंग का पैटर्न क्या होगा यह देखने लायक होगा। आइये आपको बताते हैं, कि पिछले तीन चुनाव में वर्ली विधानसभा सीट की क्या स्थितियां रही है।

कुछ अलग ही हैं समीकरण

वर्ली विधानसभा चुनाव में हुए पिछले तीन चुनाव का इतिहास हमने आपको विस्तार से बताया, लेकिन इस बार राजनीतिक समीकरण कुछ अलग ही बनते दिखाई दे रहे है। शिवसेना UBT और शिंदे गुट बनने के बाद यहां का सियासी समीकरण बड़ा रोचक हो गया है, अब यह देखना काफी दिलचस्प होगा कि आदित्य ठाकरे यहां से पुनः चुनाव लड़ते है या आपने लिए कोई दूसरी सीट तलाशते है। हालांकि वर्ली विधानसभा पर ठाकरे परिवार का खासा दबदबा रहा है, इसलिए यहां घेराबंदी करना किसी भी राजनीतिक दल के लिए आसान नहीं होगा।

2019 विधानसभा चुनाव

उम्मीदवार	दल	वोट	वोट
आदित्य उद्धव ठाकरे	एसएचएस	89248	69.1
एड. (डॉ.) सुरेश माने	राकांपा	21821	16.9
गौतम अन्ना गायकवाड़	वीबीए	6572	5.1
नोटा	नोटा	6305	4.9

2014 विधानसभा चुनाव

उम्मीदवार	दल	वोट	वोट
सुनील गोविंद शिंदे	एसएचएस	60625	40.91
अहीर सचिन मोहन	राकांपा	37613	25.38
सुनील दत्तात्रेय राणे	भाजपा	30849	20.82
कुडतारकर विजय भाऊ	मनसे	8423	5.69
दत्तात्रय रामचन्द्र नौघाणे	कांग्रेस	5941	4.01
जैसवार राजू तेरासनाथ	बसपा	1901	1.29
इनमे से कोई भी नहीं	नोटा	1559	1.06

2009 विधानसभा चुनाव

उम्मीदवार	दल	वोट	वोट
अहीर सचिन मोहन	राकांपा	52398	37.84
आशीष चेंबूरकर	एसएचएस	47104	34.01
जमादार संजय चंद्रकांत	मनसे	32542	23.5
रजनीश शिवाजी कांबले	बसपा	2381	1.72
किरण शांताराम माने	एलजेएसपी	1537	1.11

चुनावी बतकही

डेंजर जोन में बीजेपी के 5 विधायक

महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव के ऐलान के बाद अब सभी दल अपने उम्मीदवारों के नाम फाइनल कर रहे हैं। ऐसे में बीजेपी से एक बड़ी खबर आ रही है। सूत्रों के मुताबिक पार्टी ने इस बार मुंबई के पांच सिटिंग विधायकों के टिकट को काटने का प्लान बनाया है। इस वजह से मुंबई में बीजेपी के 5 मौजूदा विधायक डेंजर जोन में आ गए हैं। सबसे चौंकाने वाला घाटकोपर पश्चिम विधानसभा से मौजूदा विधायक राम कदम का है। वे लगातार तीन बार विधायक चुने जा चुके हैं। इस लिस्ट में चार और विधायक हैं। ऐसे में बीजेपी ने इस बार रोटी पलटने का प्लान बनाया है।

कम वोटों की वजह से लावेकर का कटेगा पत्ता : वर्सोवा विधानसभा से भारती लावेकर बीजेपी के टिकट पर 2014 और 2019 में विधायक चुनी गईं थी, लेकिन लोकसभा चुनाव में उनके क्षेत्र में बीजेपी को अपने प्रतिद्वंदी उम्मीदवार से कम वोट मिले थे। इस वजह से लावेकर के टिकट पर भी तलवार लटक रही है। इस बात की पूरी संभावना है कि लावेकर को बीजेपी से टिकट नहीं दिया जाएगा। उनकी जगह महाराष्ट्र उत्तर भारतीय मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष संजय पांडेय का नाम आगे चल रहा है। डेंजर जोन में सायन के विधायक तमिल सेल्वन का भी टिकट कटने की चर्चा है। उनकी जगह राजश्री शिरोडकर के नाम की चर्चा चल रही है। घाटकोपर पूर्व से पराग शाह की जगह प्रकाश मेहता को टिकट दिए जाने की संभावना है।

बोरीवली में राणे की जगह शेट्टी को टिकट

बोरीवली विधानसभा सीट से मौजूदा बीजेपी विधायक सुनील राणे का टिकट कटने की आशंका ज्यादा है। पार्टी सूत्रों के अनुसार राणे की जगह पूर्व सांसद गोपाल शेट्टी को उम्मीदवार बनाया जा सकता है। उत्तर मुंबई लोकसभा सीट से बीजेपी से दो बार सांसद रहे शेट्टी का हाल ही में हुए लोकसभा चुनाव में टिकट काट दिया गया था। पार्टी ने उस वक्त राज्यसभा में रहे सांसद पीयूष गोयल को लोकसभा चुनाव के मैदान में उतारा था। गोयल ने उत्तर मुंबई लोकसभा क्षेत्र से जीत हासिल की, जो मुंबई में भाजपा के लिए सबसे सुरक्षित माना जाता है। यह मुंबई से बीजेपी द्वारा जीती गई एकमात्र लोकसभा सीट थी। इसके लिए गोपाल शेट्टी को अपनी सीट छोड़नी पड़ी। ऐसे में इस त्याग के बदले शेट्टी को विधानसभा चुनाव में उतारा जा सकता है। खबर है कि शेट्टी बोरीवली से विधानसभा लड़ने के इच्छुक भी हैं।

आदित्य के सामने राणे को उतारने की तैयारी

बोरीवली विधानसभा के विधायक सुनील राणे वरली के स्थानीय निवासी है। पार्टी सूत्रों के अनुसार बीजेपी सुनील राणे को वरली से शिवसेना युवा नेता एवं विधायक आदित्य ठाकरे के सामने उतार सकती है। चुनाव के दौरान स्थानीय उम्मीदवार का मुद्दा भी उछलने की संभावना अधिक है। इसलिए बीजेपी वरली में राणे को उतार कर ठाकरे को घेरने की तैयारी कर रही है, क्योंकि ठाकरे बांद्रा पूर्व कला नगर में स्थित मातोश्री के निवासी है।